दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता
www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-14 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 3 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'दूसरों की गलती से भी सीखा करो, खुद की गलती से सीखने चलोगे तो जिंदगी कम पड़ जाएगी।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

जयपुर में 97 प्रतिशत से अधिक परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण:

चौमूं सहित 8 विधानसभा क्षेत्रों में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जयपुर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत परिगणना कार्य तेजी से जारी है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत जयपुर के चौमूं विधानसभा क्षेत्र ने जिले में सबसे पहले शत प्रतिशत डिजिटलीकरण का लक्ष्य प्राप्त किया है। अब तक चौमूं सहित जिले के कुल 8 विधानसभा क्षेत्रों में शत प्रतिशत डिजिटलीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। मीणा ने जानकारी दी कि जिले में 97 प्रतिशत से अधिक परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी लगातार इस कार्यक्रम की निगरानी कर रहे हैं। 2 दिसंबर 2025 की रात 8 बजे तक कुल 46 लाख 89 हजार 52 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण पूरा हो चुका था, जो कुल प्रपत्रों का 97 प्रतिशत से अधिक है। डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी सभी ईआरओ (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी) और बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल पर्यवेक्षक श्री सीताराम यादव और बस्सी निर्वाचन क्षेत्र के श्री कंचन बाबू मीणा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जयपुर में 3 हजार 75 बीएलओ शत प्रतिशत परिगणना पत्रों के डिजिटलीकरण का लक्ष्य प्राप्त कर चुके

उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि जयपुर जिले के सभी बीएलओ भारतीय निर्वाचन आयोग की भावना के अनुरूप पूर्ण उत्साह के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य कर रहे हैं। इसी प्रतिबद्धता के कारण जिले के 3 हजार 75 बीएलओ शत प्रतिशत परिगणना पत्रों के डिजिटलीकरण का लक्ष्य प्राप्त कर चुके हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनकी यह प्रतिबद्धता पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने बीएलओ से आग्रह किया कि वे अपने अनुभव, ऊर्जा और कार्यकुशलता से अन्य साथियों को प्रेरित करें और उन्हें भी लक्ष्य प्राप्ति में मार्गदर्शन दें, ताकि पूरे जिले में पुनरीक्षण अभियान की गति और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली बन सके।

अपना परिगणना प्रपत्र ऑनलाइन भरने के लिए https//voters.eci.gov.in/ पर जाए अथवा QR Code को स्कैन करें

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची में अब साधारण जानकारी के आधार पर नाम खोजने का विकल्प मुहैया करवाया गया है, जिससे मतदाताओं को अपना नाम खोजने और परिगणना प्रपत्र भरने में और अधिक सहजता मिलेगी। निर्वाचन विभाग द्वारा साथ ही मतदाताओं को सुविधा प्रदान करने हेतु ऑनलाइन विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। मतदाता स्वयं अपना परिगणना प्रपत्र https//voters.eci.gov.in/ पर जाकर अथवा प्रदान किए गए QR Code को स्कैन कर ऑनलाइन भर सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से अपील है कि वे अपने तथा अपने परिवारजनों के परिगणना प्रपत्र अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन भरकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

उन्होंने बताया कि बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 37 हजार 796, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 40 हजार 239, चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 57 हजार 475, चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 35 हजार 473, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 58 हजार 37, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 65 हजार 906, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 2 हजार 105, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 37 हजार 665, हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 68 हजार 940 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही उन्होंने बताया कि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 89 हजार 105, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 64 हजार 943, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 4 लाख 49 हजार 436, बगरू विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 49 हजार 933, सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 35 हजार 92, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 7 हजार 387, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 49 हजार 741 एवं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 36 हजार 779 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

चूरू रेलवे स्टेशन का AGM निरीक्षण किया: साफ-सफाई और अधूरे विकास कार्यों पर जताई नाराजगी, कहा-दिसंबर तक टारगेट पूरा करें

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । उत्तर पश्चिम रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक (एजीएम) अशोक माहेश्वरी ने मंगलवार को चूरू रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था और निर्माणाधीन क्षेत्रों का विस्तार से जायजा लिया। कई कमियां सामने आने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एजीएम माहेश्वरी ने स्टेशन की सफाई व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने प्लेटफॉर्म पर धूल-मिट्टी, टूटी टाइलें और कुछ स्थानों पर अव्यवस्थित केबलिंग को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तुरंत सुधारा जाए। एजीएम ने रेलवे स्टेशन पर चल रहे आधुनिकीकरण और विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की। उन्होंने बताया कि स्टेशन सौंदर्यीकरण, नए शेड निर्माण, शौचालय उन्नयन और प्लेटफॉर्म सुविधाओं में सुधार से जुड़े कार्य अभी भी अधूरे हैं। इसके लिए उन्होंने ठेकेदारों व संबंधित अधिकारियों को दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। निरीक्षण के दौरान बीकानेर के एडीआरएम रूपेश कुमार, स्टेशन अधीक्षक सुरेश माथुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फतेहाबाद जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई ने किया जिला स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के महासचिव सुनील कुमार, उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी के निर्देशानुसार जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के कुशल मार्गदर्शन तथा सचिव रामजी लाल की देखरेख में पांच दिवसीय शिविर 5 दिसंबर तक डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर का उद्घाटन जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई व स्कूल प्राचार्या अमिता सिंह द्वारा किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई ने कहा कि इस प्रशिक्षण शिविर में जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के 120 जूनियर रेडक्रॉस विद्यार्थियों को मानव हितकारी गतिविधियों की जानकारी दी जा रही है ताकि भविष्य में यहीं जूनियर एक सुदृढ़ समाज के निर्माण का हिस्सा बन सकें और भारत देश विकसित हो सके। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के कैंप निदेशक दलबीर सिंह ने बताया कि आज शिविर के दूसरे दिन का आरंभ रेडक्रॉस एवं प्रभु की प्रार्थना के साथ हुआ। उसके उपरांत रिसोर्स पर्सन मुकेश बंसल ने जल संरक्षण, वंदना शर्मा ने मोबाइल के दुष्प्रभाव, शर्मा चंद लाली द्वारा नशा मुक्ति हेतु प्रेरित किया गया। रेडक्रॉस के उपाध्यक्ष सुरेंद्र चुघ द्वारा रेडक्रॉस की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। जिला नोडल कृष्ण कुक्कड़ ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में जिले के 20 स्कूलों में 120 भाग ले रहे हैं इनमें से जो टीम प्रथम आएगी उसे कुरुक्षेत्र में 7 से 16 दिसंबर में होने वाले राज्य स्तरीय कैंप में भेजा जाएगा। मंच संचालन प्राथमिक सहायता प्रवक्ता अंजू रानी द्वारा किया गया। कैंप में रमेश कंबोज, अनिल इंदल, अंजू गांधी, ऋचा वर्मा, नरेश कुमार, विपिन, अंतू, सुदेश कुमारी, नीलम, बबीता रानी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।श

पूर्व सरपंच को मिली राहत, पांच से दस साल पुराने कार्यों का भुगतान स्वीकृत

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के प्रयास से मिली स्वीकृति, मेनका देवी ने राज्य सरकार का जताया आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । श्रीडूंगरगढ़ पंचायत समिति की बाना ग्राम पंचायत की तात्कालिक सरपंच मेनका देवी के कार्यकाल में वर्ष 2015 से 2020 के बीच करवाए गए विकास कार्यों के लंबित भुगतान की स्वीकृति मिल गई है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल के प्रयास से ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त ने राज्य वित्त आयोग-पंचम के तहत जिला परिषद मद से 29 लाख 38 हजार 466 रुपए ग्राम पंचायत को हस्तांतरित करने की अनुमति दी है। मेनका देवी ने बताया कि वर्ष 2015 से 2020 के उनके कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य करवाए गए। लेकिन इनमें से लगभग 29 लाख रुपए के भुगतान की स्वीकृति नहीं मिल सकी। उन्होंने इसके लिए जिला परिषद और श्रीडूंगरगढ़ पंचायत समिति में भी कई बार पत्र व्यवहार किया और व्यक्तिगत स्तर पर भी प्रयास किए, लेकिन लंबित भुगतान की अनुमति नहीं मिली। यह कार्य करने वाली एजेंसियों द्वारा नियमित रूप से भुगतान की मांग की जाती रही। इसके फलस्वरूप भुगतान के लिए जमीन बेचने तक की नौबत आ गई और अपने स्तर पर भुगतान करने की स्थिति में दिवालिया होने का संकट आ गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अप्रेल में उन्होंने जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल को पत्र प्रस्तुत कर बकाया भुगतान करवाने की मांग की। प्रकरण बहुत पुराना होने के कारण राज्य सरकार से इसकी अनुमति आवश्यक थी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने इसे प्राथमिकता से लिया और सक्षम स्तर पर आवश्यक पत्र व्यवहार किया। इसके फलस्वरूप यह अनुमति प्राप्त हुई। मेनका देवी ने इसे राहत भरा निर्णय बताया और इसके लिए राज्य सरकार एवं जिला परिषद का आभार जताया।

राजकीय आईटीआई उदावास में 8 दिसंबर को अप्रेंटिसशिप मेला, युवाओं को मिलेगा रोजगार का सुनहरा मौका

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

युवाओं को उद्योगों में प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजकीय आईटीआई उदावास झुंझुनूं में अप्रेंटिसशिप मेला आगामी सोमवार, 08 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। यह मेला प्रातः 9 बजे से शुरू होगा। निदेशक उमा झाझड़िया ने बताया की मेले में मुद्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड कच्छ (गुजरात), एसिन ऑटोमोटिव हरियाणा प्राइवेट लिमिटेड, पोलिमेडिक्योर लिमिटेड, हैवेल्स इंडिया लिमिटेड एवं श्रीराम पिस्टन एंड रिंग लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा लेंगी। उन्होंने बताया कि 8वीं, 10वीं, 12वीं अथवा आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी तथा ऐसे शिक्षित बेरोजगार युवक जो अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण या रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं, वे इस मेले में भाग ले सकते हैं। सब मेले में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को अपडेटेड बायोडाटा, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, 10वीं की अंकतालिका, बैंक पासबुक तथा सभी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की छाया प्रतियां साथ में लाना अनिवार्य होगा।

झुंझुनू मीणा समाज की अनूठी पहल

बुगाला के कैलाश मीणा की अचानक मृत्यु होने पर समाज के लोग बने सहारा

कैलाश मीणा की बेटी की शादी में किया आर्थिक सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । विधानसभा उदयपुरवाटी क्षेत्र के निकट बुगाला गांव के निवासी कैलाश मीणा की अचानक मौत होने पर परिवार का साया उठ गया है जानकारी के अनुसार कैलाश मीणा निवासी बुगाला का गत वर्ष दुर्घटना में दोनों पैर व आंख चली गई थी, उनके घर में पत्नी व 6 बेटियां हैं जिनमें एक बड़ी बेटी का विवाह 30 नवंबर को था। कैलाश मीणा की 30 नवंबर से पहले अचानक अकाल मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर झुंझुनू मीणा समाज के लोगों ने 30 नवंबर को बेटी की शादी में पहुंचकर आर्थिक सहयोग किया। इस दौरान रतन मीणा जोधपुरा,जगदीश टोड़ी, रामचंद्र शीतल ,कैप्टन धर्मपाल शीतल, सूबेदार भंवर लाल भोड़की ,सिकंदर मालसर ,सुरेंद्र भोजासर ,भागीरथ वाहिदपुरा, रामचंद्र टीबा बसई,एडवोकेट राजेश अणगासर, रोहतास भोड़की सहित आदि पहुंचकर समाज से प्राप्त सहयोग राशी शादी के लिए बेटी को भेंट किया।

69वी राष्ट्रीय विद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता राजस्थान के पहलवानों ने जीते तीन पदक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

गोरखपुर के वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में चल रही 69वी राष्ट्रीय विद्यालयी कुश्ती 17/19 वर्ष छात्र (ग्रीको रोमन) प्रतियोगिता 2025 आज दिनांक 2 दिसंबर 2025 को 19 वर्ष में 67kg वेट कैटेगरी में लक्षित सोनी व 77kg में रोहन सैनी दोनों पहलवानो ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया एवं 17 वर्ष 71kg वेट कैटेगरी में समीर गुरु हनुमान व्यायाम शाला चिड़ावा ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया राजस्थान के खिलाड़ियों ने उत्कर्ष प्रदर्शन किया। कोच राजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि शिवराधिपति प्रधानाचार्य महेंद्र सिंह वर्मा के प्रतिनिधित्व में राजस्थान टीम के कोच जोगेन्द्र सिंह , गंगा सिंह गुर्जर और टीम मैनेजर संजय कुमार के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य का मान बढ़ाया। पिछले दो दिन से चल रही प्रतियोगिता में राजस्थान ने कुल पांच पदक प्राप्त किया। कोच राजेंद्र पाल सिंह, कृष्ण कुमार PET, शेर सिंह पहलवान ,संजय कुमार शास्त्री ,गौरव राव ,पार्षद मनजीत सिंह ,बलबीर श्योराण ,राकेश बिका आदि लोगों ने शुभकामनाएं दी।

केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल को लोकसभा की कार्यप्रणाली का अवलोकन कराया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

केन्द्रीय पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने आज लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल को लोकसभा की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन कराने के उद्देश्य से दिल्ली स्थित अपने निवास पर सौहार्दपूर्ण मुलाक़ात हेतु आमंत्रित किया। आत्मीय बातचीत के उपरांत सभी प्रतिनिधियों को लोकसभा ले जाया गया, जहाँ उन्होंने सदन में चल रही बहस को सीधे देखा और संसदीय परंपराओं, अनुशासन एवं निर्णय प्रक्रिया को नज़दीक से समझने का अवसर प्राप्त किया। लोकसभा भवन की भव्यता, उत्कृष्ट शिल्पकला, भारतीय संस्कृति का प्रतिबिंब और आधुनिकता का संगम सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। कलात्मक नक्काशी, विस्तृत गलियारे, शांत वातावरण और अनुशासित संसदीय व्यवस्था ने प्रतिनिधिमंडल को विशेष रूप से प्रभावित किया। चाय पर आयोजित चर्चा के दौरान मंत्री महोदय के साथ नीमराना और बहरोड़ क्षेत्र के विकास पर विस्तृत विमर्श हुआ। विशेष रूप से ERCP योजना के माध्यम से क्षेत्र में पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के विषय पर सारगर्भित चर्चा हुई। माननीय मंत्री जी ने आश्वस्त किया कि यह महत्वपूर्ण परियोजना शीघ्र ही धरातल पर उतारी जाएगी, जिससे उद्योगों, MSME इकाइयों और स्थानीय नागरिकों को सीधे लाभ पहुंचेगा। नीमराना एवं बहरोड़ क्षेत्र में ढ्ढ्ढ के गठन पर भी रचनात्मक विचार-विमर्श हुआ, ताकि शहरी ढांचे को सुदृढ़ किया जा सके तथा औद्योगिक विस्तार, आवासीय विकास और बुनियादी सुविधाओं को सुव्यवस्थित दिशा मिले। मंत्री ने इस सुझाव को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए इसे आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया।

केकेएमएस कॉलेज बडाऊ में खेलकूद एवं सांस्कृतिक सप्ताह का शुभारंभ, छात्राओं ने दिखाया दमखम

प्रबंध निदेशक डॉ. मुकेश दाधीच के मार्गदर्शन में हुआ आयोजन; कबड्डी और रस्साकशी में सरोजिनी नायडू और महारानी लक्ष्मीबाई ग्रुप रहे विजेता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी/झुंझुनूं।

इंडियन शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित केकेएमएस कॉलेज बडाऊ में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले खेलकूद एवं सांस्कृतिक सप्ताह का शुभारंभ कर दिया गया है। महाविद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. मुकेश दाधीच ने बताया कि छात्र और छात्रा वर्ग की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन इस सप्ताह के अंतर्गत किया जाता है। सप्ताह का शुभारंभ संस्थान के सचिव रघुवीर शर्मा की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें चेयरमैन सुनील बोहरा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम में प्रकाश दास स्वामी, सूर्य प्रकाश शर्मा, सुमन शेखावत और पूजा सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुनील बोहरा ने विद्यार्थियों को खेलकूद को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का महत्व समझाया। खेलकूद सप्ताह के पहले दिन मंगलवार को छात्रा वर्ग की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपना दमखम दिखाया। प्रतियोगिता के परिणामों के अनुसार, कबड्डी प्रतियोगिता में सरोजिनी नायडू ग्रुप विजेता रहा, जबकि रस्सा कसी प्रतियोगिता में महारानी लक्ष्मी बाई ग्रुप विजेता बना। व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं में मटका फोड़ प्रतियोगिता में मोनिका यादव विजेता तथा एकता यादव उपविजेता रहीं। चम्मच दौड़ प्रतियोगिता में साक्षी गुर्जर विजेता और मोनिका यादव उपविजेता रहीं। तीन टांग दौड़ प्रतियोगिता में सुमन गुर्जर की टीम विजेता व एकता की टीम उपविजेता रही। दौड़ प्रतियोगिता में सोनम गुर्जर विजेता और अलीशा बानो उपविजेता रहीं। इस मौके पर कॉलेज के व्याख्याता मंजू शर्मा, दर्शन वर्मा, सोनू जांगिड़, सुरेंद्र मीणा, पूनम जांगिड़, सोनू कुमारी, प्रवेश शर्मा, मुकेश यादव, मनीषा जांगिड़, और सुरेंद्र सिंह सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

ललित गर्ग

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे।

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष- दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्योरिटी एंड नैशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्र र और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।

नि त दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण

अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए।

सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरूआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। नि त ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है।

इस सत्र से सरकार 14 महत्त्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की, संवैधानिक मयार्दाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है।

देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए, तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है; यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है।

सदन की मयार्दा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है। सभापति का सम्मान करना, नियमों का पालन करना, विषय पर रहने वाली बहस करना और असहमति में भी सभ्यता-शालीनता बनाए रखना-ये संसदीय चरित्र के मूल तत्व हैं। इनका पालन ही संसद की शुचिता को बनाए रख सकता है। यदि सरकार बहुमत के अहंकार में विपक्ष की उपेक्षा करती है तो यह गलत है; लेकिन यदि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका छोड़कर केवल अवरोध बन जाए तो यह भी लोकतंत्र के साथ अन्याय है। संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इस दृष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मयार्दा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए प्रेरणा बन सकता है, बशर्ते संसद स्वयं अपने भीतर अनुशासन, शांति और संवाद की संस्कृति को स्थापित करे। यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो। यदि यह संभव हुआ तो यह केवल एक सत्र की सफलता नहीं होगी, बल्कि भारत के लोकतंत्र की विजय होगी।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'नियति नहीं, परिश्रम बदलता है जीवन की दिशा

मानव जीवन की यात्रा अनंत संभावनाओं से भरी हुई है। लेकिन इन संभावनाओं को वास्तविक उपलब्धियों में बदलने की शक्ति भाग्य में नहीं, बल्कि हमारे कर्म, परिश्रम, संकल्प और सकारात्मक दृष्टिकोण में छिपी होती है। अक्सर जीवन में कठिनाइयों, चुनौतियों और अनिश्चितताओं के बीच हम यह मान बैठते हैं कि शायद यह सब हमारी किस्मत में ही लिखा था। परंतु इतिहास, समाज और व्यक्तिगत अनुभव बार-बार यह सिद्ध करते हैं कि मनुष्य का भविष्य उसके परिश्रम से निर्मित होता है, न कि किसी पूर्व-निर्धारित भाग्य से। मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

भाग्य एक सुविधा है–जिसे हम तब याद करते हैं जब मेहनत से डरते हैं, प्रयास करने से कतराते हैं, और असफलता का सामना करने से बचना चाहते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि हमारे जीवन का रिमोट कंट्रोल हमारे अपने हाथों में होता है। जैसे टीवी पर चैनल बदलने के लिए हमें रिमोट का बटन दबाना ही पड़ता है, वैसे ही जीवन बदलने के लिए हमें प्रयासों के बटन दबाने पड़ते हैं। यदि हम हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे और सोचेंगे कि भाग्य एक दिन हमें सफलता थाली में परोस देगा, तो यह स्वयं को धोखा देने जैसा है। दुनिया के हर महान व्यक्ति–चाहे वह वैज्ञानिक हो, समाजसेवी हो, नेता हो, कलाकार हो या खिलाड़ी–उनका जीवन एक ही बात सिखाता है कि कठिन मेहनत और दृढ़ निश्चय ही सफलता का मार्ग बनाते हैं। यदि वे भी भाग्य का रोना रोते रहते, तो न कोई खोज होता, न कोई क्रांति, न कोई अद्भुत कलाकृति और न ही कोई प्रेरणादायक उदाहरण। उनका जीवन यह प्रमाण है कि नियति लिखी नहीं रहती, बल्कि हर दिन हमारे प्रयासों, संघर्षों और कर्मों से बनती है। भाग्यवाद का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि यह व्यक्ति की कार्यक्षमता को कमजोर कर देता है। जब हम मान लेते हैं कि 'जो होना होगा, वह होकर रहेगा', तब हम अपने कर्तव्यों से दूर हो जाते हैं। यह सोच इंसान को निष्क्रिय बनाती है, और वह आत्मविश्वास खो देता है। इसके विपरीत, जो लोग कर्मप्रधान विचार अपनाते हैं, वे हर स्थिति में सक्रिय रहते हैं। वे अपनी गलतियों से सीखते हैं, गिरकर भी उठते हैं और अंततः सफलता को प्राप्त करते हैं। क्योंकि भाग्य हमेशा उसी का साथ देता है जो निरंतर कर्म करता है।

जीवन की कठिनाइयाँ हमारे लिए रुकावट नहीं, बल्कि हमारी सफलता का ईंधन बनती हैं। इन्हीं चुनौतियों के बीच हमारा चरित्र निखरता है, हमारी क्षमताएँ बढ़ती हैं और हम जीवन की गहराइयों को समझते हैं। यदि हम हर चुनौती को भाग्य पर छोड़ देंगे तो हम अपनी आंतरिक शक्ति को कभी पहचान नहीं पाएंगे। परिश्रम वहीं सफल होता है जहाँ संकल्प मजबूत हो और मनुष्य में खुद को बदलने की इच्छा हो। आज की पीढ़ी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह तुरंत मिलने वाले परिणामों की आदी होती जा रही है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और आधुनिक सुविधा ने धैर्य की परीक्षा लेना कम कर दिया है। लोग मेहनत से ज्यादा किस्मत की चर्चा करते हैं। लेकिन सत्य यह है कि तेजी से बदलते समय में वही लोग आगे बढ़ेंगे जो लगातार सीखते रहेंगे, प्रयास करते रहेंगे और विफलता को सफलता की सीढ़ी में बदलना सीखेंगे। हमारे समाज में भी अक्सर सुनने को मिलता है कि 'सब ऊपरवाले की मर्जी से होता है।' लेकिन यदि यह सच होता, तो किसान की मेहनत का कोई महत्व नहीं होता, मजदूर की ताकत का कोई मूल्य नहीं होता, खिलाड़ी की साधना व्यर्थ होती, और अध्यापक की शिक्षा प्रभावहीन। फिर भी हम देखते हैं कि हर क्षेत्र में वही लोग आगे बढ़ते हैं, जो अपनी सीमाओं को तोड़ते हैं और परिस्थिति से लड़ते हैं। सच यह है कि भाग्य तब बदलता है जब मनुष्य खुद को बदलता है। आत्मविश्वास, मेहनत, साहस, अनुशासन, सतत प्रयास–ये सभी जीवन को ऊँचाइयों तक ले जाते हैं। चाहे कितनी भी प्रतिकूल परिस्थितियाँ क्यों न हों, यदि व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदार है तो कोई शक्ति उसे रोक नहीं सकती।

मोबाइल फोन पर अब निजता का अधिकार?

दिलीप कुमार पाठक

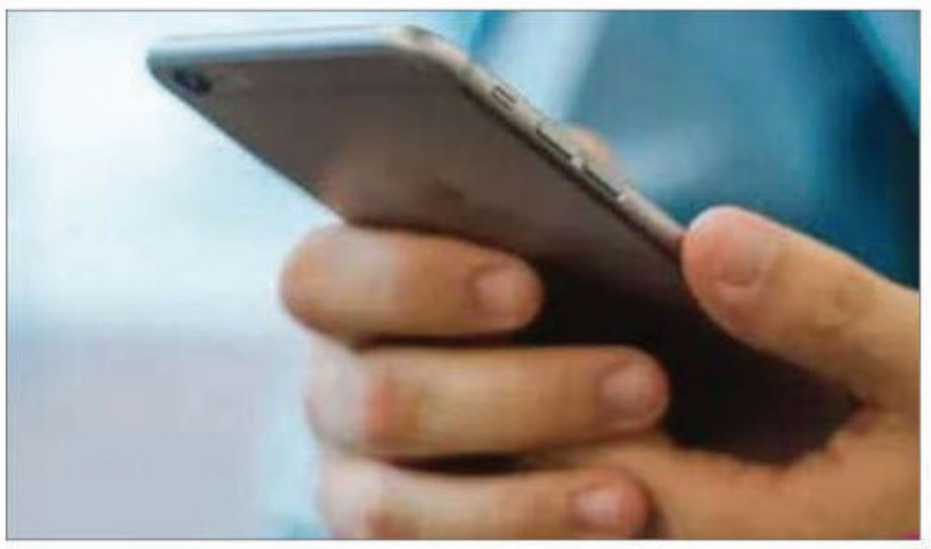

तेजी से डिजिटल होती दुनिया में मोबाइल फोन अब केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की निजी जरुरत बन चुका है। इसी वजह से फोन से जुड़ी किसी भी सरकारी नीति को लेकर नागरिकों की चिंता स्वाभाविक है। विशेषकर तब, जब सरकार की दूरसंचार नीति सीधे तौर पर लोगों के व्यक्तिगत डेटा, लोकेशन, गैलरी या संदेशों, उनकी पसंद ना पसंद और निजी संबंधों तक की पहुंच पर प्रश्न खड़ा करती हो। भारतीय संविधान में निजता का अधिकार केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि एक लोकतांत्रिक एवं सभ्य समाज की आत्मा है। निजता को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा माना गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है। नागरिक अपनी व्यक्तिगत जानकारी, गतिविधियों और संचार पर नियंत्रण रखने का अधिकार रखते हैं। जब किसी सरकारी ऐप को अनिवार्य रूप से फोन में इंस्टॉल करने की बात सामने आती है। वह भी बिना हटाने के विकल्प के साथ तो सरकार की यह कार्यवाही सीधे लोगों के निजी अधिकार के साथ-साथ उनकी स्वतंत्रता को भी बाधित करती है। सरकार का यह निर्णय सीधे सवालों के घेरे में आ जाता है। सरकारी ऐप को लेकर अब नागरिकों को लग रहा है, सरकार नागरिकों की पल-पल की जासूसी करके बंधुआ बनाना चाहती है। वहीं दूसरी तरफ सरकार का तर्क है, ये सरकारी ऐप साइबर सुरक्षा को मजबूत करेंगे। चोरी, साईबर फ्रॉड को रोकेने और मोबाइल के सभी संव्यवहार को सुरक्षित बनाएंगे। निःस्संदेह, उद्देश्य महत्वपूर्ण हैं। दरअसल साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। डिजिटल सुरक्षा वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती है। नागरिकों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी भी है। तकनीकी को लागू करने के पूर्व सरकार को उस नागरिकों की सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए, नागरिकों को उसके लिए प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। भारत में तकनीकी को पहले लाया जाता है, उसके बाद सुरक्षा और खतरों को लेकर सरकार सजग होती है। जिसके कारण नागरिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। सुरक्षा का नाम लेकर सरकार द्वारा अनिवार्य निगरानी प्रणाली स्थापित करना कितना उचित है। यह गंभीर बहस एवं चिंता का विषय बन गया है। सुरक्षा और निगरानी, दोनों के बीच की दीवार बेहद पतली है। यदि किसी ऐप को कैमरा, माइक्रोफोन, लोकेशन, गैलरी और एसएमएस तक स्थायी पहुंच सतत मिलती है, तो यह केवल सुरक्षा नहीं, वरन व्यापक नियंत्रण का साधन बन सकता है। लोकतंत्र में राज्य को नागरिकों पर इतनी व्यापक दृष्टि रखने की अनुमति देने से पहले पारदर्शिता, सामाजिक सहमति और मजबूत कानूनी सुरक्षा बहुत आवश्यक है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में नागरिकों के पास स्वयं यह अधिकार होना चाहिए, कि जो व्यक्ति चाहे इस ऐप को इंस्टॉल करे, ना चाहे तो ना करे। यह स्वतंत्रता उसकी निजता का हिस्सा और एक संवैधानिक अधिकार भी है। सरकार की नीतियां नागरिकों के भरोसे का प्रतीक होनी चाहिए, भय अथवा शक का कोई स्थान नहीं होना चाहिये। आधुनिक तकनीक का उद्देश्य जनता को सशक्त बनाना है। नाकि उनकी निजी ज़िंदगी में अनियंत्रित हस्तक्षेप का साधन बने। सुरक्षा के नाम पर निजता का हनन अब सामान्य बात हो गई है। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं भी कमजोर होती चली जा रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है, क्या मोबाइल सुरक्षा के बहाने नागरिक अपनी निजता की अंतिम दीवार को गिरने देंगे? यदि ऐसा हो गया तो परिवार और निजी संबंध जिसमें सामाजिक आर्थिक और अन्य गतिविधियां सरकार के नियंत्रण में होंगी। ऐसी स्थिति में हमारी स्वतंत्रता खतरे में पडना तय है। सरकार जिस तरह से हमारे ऊपर नियम कानून लागू करना चाहेगी जैसे भी रखना चाहेगी उसका हम कभी हम पूरी तरह से सरकार के ऊपर निर्भर होकर रह जाएंगे। लोकतंत्र में नागरिकों की जागरूकता ही वास्तविक नागरिक अधिकार और संवैधानिक अधिकार की शक्ति है। इसे बनाए रखने के लिए सभी को सजग रहने की जरूरत है।

41 साल बाद भी खत्म नहीं हुआ है गैस त्रासदी का असर

योगेश कुमार गोयल

भोपाल गैस त्रासदी से निकलते जहरीले सवाल...

1984 में 2-3 दिसम्बर की रात भोपाल में मौत ने ऐसा तांडव मचाया था, जिसके जख्म आज तक नहीं भरे हैं। भयानक गैस त्रासदी की उस घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 2-3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। हालांकि इसी साल भोपाल के जहरीले कचरे का निपटान किया जा चुका है किन्तु भोपाल गैस कांड को 41 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। भोपाल गैस त्रासदी पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाली थी कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया था जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा था, आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 40 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हुए हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे। हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। उस कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। 3 दिसम्बर 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ, उसका एक बड़ा कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरूनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया था और यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए। जिन लोगों के फेफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? दुर्घटना के चार दिनों बाद 7 दिसम्बर 1984 को यूसीआईएल अध्यक्ष एवं सीईओ वारेन एंडर्सन की गिरफ्तारी हुई थी किन्तु विड़म्बना देखिये कि इतने भयानक हादसे के मुख्य आरोपी को गिरफ्तारी के महज छह घंटे बाद मात्र 2100 डॉलर के मामूली जुमार्ने पर रिहा कर दिया गया था। उसके बाद वह अवसर का लाभ उठाते हुए भारत छोड़कर अपने देश अमेरिका भाग गया, जिसे भारत लाकर सजा देने की मांग निरन्तर उठती रही लेकिन भारत सरकार अमेरिका से उसका प्रत्यर्पण कराने में

विफल रही। 29 सितम्बर 2014 को वारेन एंडर्सन की मौत हो गई। इस हादसे से पर्यावरण को ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का रूख इस पूरे मामले में संवेदनहीन ही रहा। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को भले ही जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यही है कि इस गैस त्रासदी के 41 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

दिल्ली विश्वविद्यालय में 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन

भारतीय ज्ञान-परंपरा को पुनर्जीवित कर विकसित भारत का निर्माण करें युवा - महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नई दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय, मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा एकल फ्यूचर (यूथ विंग, एकल अभियान) के संयुक्त तत्वावधान में 'युवा संवाद : शिक्षा से राष्ट्र निर्माण' विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजित किया गया. यह आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जूना अखाडा के महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ तथा भारत लोक शिक्षा परिषद् के ट्रस्ट बोर्ड अध्यक्ष श्री लक्ष्मी नारायण गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि जी ने भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा, वैदिक ज्ञान की महत्ता और प्राचीन शिक्षा प्रणाली की श्रेष्ठता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सामाजिक समरसता में युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया. उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे भारतीय ज्ञान-परंपरा को पुनर्जीवित कर स्वर्णिम विकसित भारत के

निर्माण में योगदान दें। उन्होंने युवाओं में राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरूकता को मजबूत करने का भी संदेश दिया। मुख्य अतिथि श्री लक्ष्मी गोयल ने कहा कि अपनी संस्कृति से विमुख होने के कारण भारत पर वर्षों तक विदेशी शासन रहा। उन्होंने सनातन परंपरा और राष्ट्र-जागरण की दिशा में एकल अभियान के योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम के संयोजक, दिल्ली विश्वविद्यालय के मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम समिति के अध्यक्ष एवं डीन प्लानिंग प्रो. निरंजन कुमार ने युवाओं की शक्ति, संकल्प और राष्ट्र निर्माण में उनकी केंद्रीय भूमिका पर अपने विचार रखते हुए मैकाले की शिक्षा नीति के प्रभावों को रेखांकित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान कि '2035 तक हमें मैकाले मॉडल को ध्वस्त करते हुए अगले दस वर्षों में भारत के लिए अपना एक भारतीय मॉडल खड़ा करना है' के संकल्प को दोहराया. उन्होंने कहा कि भारतीय युवा अपने प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों और आदर्शों को आज पुनः स्थापित कर रहा है। एकल फ्यूचर के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दुर्गेश त्रिपाठी ने बताया कि देश के 1,10,000 सुदूर गाँवों में एकल विद्यालय संचालित हो रहे हैं, जहाँ 90 प्रतिशत महिलाएँ शिक्षण का कार्य करती हैं। यहाँ संस्कार-आधारित शिक्षा और जातिगत बंधनों को मिटाकर राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने का प्रयास हो रहा है. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डीन, प्रोफ़ेसर, शोध छात्र और अन्य गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जांगिड़ महासभा पिलानी ने RAS चयनित सौरभ जांगिड़ का किया सम्मान

पिलानी विधायक पितराम सिंह काला रहें मुख्य अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की तहसील कमेटी पिलानी ने हाल ही में राजस्थान प्रशासनिक सेवा (RAS) में चयनित हुए सौरभ जांगिड़ का भव्य सम्मान किया। यह सम्मान समारोह कुतुबपुरा निवासी गोपीचंद जांगिड़ के सुपुत्र सौरभ जांगिड़ को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आयोजित किया गया था। तहसील कमेटी अध्यक्ष मामचंद सोनानिया के नेतृत्व में कार्यकारिणी सदस्यों ने सौरभ जांगिड़ को माला और साफ़ा पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष सोनानिया ने कहा कि सौरभ जांगिड़ समाज के युवाओं के

लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं, और युवाओं को इनसे प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में जांगिड़ महासभा के जिला अध्यक्ष सुनील सिद्धड़, महामंत्री रामनिवास जांगिड़, कोषाध्यक्ष अनिल जांगिड़, सुरेंद्र सोनानिया, नंदलाल जांगिड़, जयकरण जांगिड़, दयानंद जांगिड़, श्रीराम, धर्मपाल, मूलचंद, एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नीमराना में नकबजनी का खुलासा: रेवाड़ी के टाकंडी का युवक गिरफ्तार, चोरी का पूरा माल बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना, राजस्थान - नीमराना शहर में 27 नवंबर की रात हुई सोने-चांदी की नकबजनी की वारदात का पटाक्षेप करते हुए पुलिस ने रेवाड़ी जिले के टाकंडी निवासी युवक को गिरफ्तार कर चोरी गया पूरा माल बरामद कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई ने बताया कि थानाधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। टीम ने तकनीकी विश्लेषण, संदिग्धों से पूछताछ और लगातार निगरानी के

आधार पर आरोपित को चिन्हित कर बावल क्षेत्र से गिरफ्तार किया। घटना में परिवादी अमित कुमार सोनी एडवोकेट के घर से 18 ग्राम की सोने की चैन, 15 ग्राम की सोने की झुमकी, दो जोडियां मोने के टोपस, लगभग 200 ग्राम चांदी की तीन जोडियां पाजेब और 50 हजार रुपए नकद चोरी किए गए थे। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपित विपिन सिंह उर्फ भतीजा पर पूर्व में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2019 में बावल थाना क्षेत्र में नकबजनी (धारा 457, 380 आइपीसी), वर्ष 2020 में पुनः नकबजनी का केस, वर्ष 2021 में चोरी का एक और मामला और रेवाड़ी के रामपुरा थाना में वर्ष 2022 को मारपीट, बलवा और अन्य धाराओं में केस दर्ज है।

जोधपुर में सातवां राज्यस्तरीय 'क्रांति ज्योति सावित्री बाई फुले समाज गौरव पुरस्कार समारोह' सम्पन्न, 51 हस्तियाँ सम्मानित

निवर्तमान महापौर कुंती देवड़ा परिहार ने कहा- फुले दंपति का जीवन संघर्ष प्रेरणास्रोत;

पूर्व संभागीय आयुक्त रतन लाहौटी ने की 'सनसिटी प्रहरी' की सराहना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जोधपुर।

सनसिटी प्रहरी राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र एवं बिरसा अम्बेडकर फूले साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में यूथ हॉस्टल, रातानाडा में सातवाँ राज्यस्तरीय क्रांति ज्योति सावित्री बाई फुले समाज गौरव पुरस्कार 2025 समारोह अत्यंत उत्साह के साथ आयोजित हुआ। समारोह में समाज, शिक्षा, साहित्य, खेल, चिकित्सा, समाजसेवा और डिजिटल नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 51 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के आयोजक एवं सनसिटी प्रहरी के संपादक विक्रम चौहान ने बताया कि यह पुरस्कार उन हस्तियों को प्रदान किया गया है जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर समाज को नई दिशा दी है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निवर्तमान महापौर कुंती देवड़ा परिहार ने अपने संबोधन में कहा कि देश की प्रथम शिक्षिका, समाज सुधारक और महिला शिक्षा की अग्रदूत क्रांति ज्योति सावित्रीबाई फुले का जीवन संघर्ष सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि फुले दंपति ने सामाजिक न्याय, शिक्षा प्रसार और महिला

अधिकारों के लिए जो योगदान दिया, वह आज भी प्रासंगिक है। देवड़ा ने सम्मानित प्रतिभाओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों को और बढ़ाता है। उन्होंने सनसिटी प्रहरी अखबार की निष्पक्ष पत्रकारिता और वंचित वर्ग की आवाज़ को प्रमुखता देने के लिए संपादक विक्रम चौहान की सराहना भी की।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे जोधपुर के पूर्व संभागीय आयुक्त सीनियर आईएएस रतन लाहौटी ने कहा कि फुले दंपति ने समाज में शिक्षा की क्रांति लाने हेतु 18 से अधिक विद्यालयों की स्थापना की। उन्होंने सावित्रीबाई फुले को 'अज्ञानता से प्रकाश की ओर ले जाने वाली महान विभूति' बताते हुए कहा कि उनका जीवन हमें आदर्शों पर चलकर समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है।

सम्मानित प्रतिभाएँ और आयोजन की झलक

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार एडवोकेट ओमप्रकाश नोगिया, शंकरलाल बालोटिया एवं हीराराम राठौड़ ने भी फुले दंपति के योगदान को याद करते हुए समाज में न्याय और शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही। समाजसेविका विमला बृजवाल ने सावित्रीबाई फुले के संघर्ष को नमन किया। सनसिटी प्रहरी समाचार पत्र की प्रधान संपादक श्रीमती पिंकी चौहान ने भी सम्मानित प्रतिभाओं को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। आयोजक विक्रम चौहान ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में हनुमान बडल (प्रिंसिपल), कमलेश गोदारा, गोपीराम खोरवाल, ममता नवल, महिला सशक्तिकरण में विमला बृजवाल, समाजसेवा में मंगलाराम उदानी, निर्मल सिंह कच्छवाहा, रविन्द्र सांखला, चेतन यादव, डिजिटल सशक्तिकरण में आनंद सिंगारिया, साहित्य में पप्पूराम मेघवाल, मनोहर लाल कड़ेला, जल संरक्षण में जगदीश देवड़ा, खेल में मंजू राठौड़, रंजना सोनेल, चिकित्सा में डॉ. राधे सिंह (एम्स), गिरधारी लखानी और रक्तदान में अभिषेक मेहरा सहित कुल 51 हस्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन साहित्यप्रेमी मनोहर लाल कड़ेला ने किया। अंत में, आयोजक विक्रम चौहान द्वारा सभी अतिथियों का साफा, माला एवं स्मृति चिन्ह से स्वागत किया गया।

दुष्कर्म मामले में 40 दिन से फरार चल रहा 2000 रूपये का इनामी आरोपी गिरफ्तार

उदयपुरवाटी पुलिस ने गोठड़ा थाना क्षेत्र से दबोचा वांछित आरोपी युनूस कुरैशी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

पुलिस थाना उदयपुरवाटी को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में पिछले 40 दिनों से फरार चल रहे 2 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी, पुलिस निरीक्षक रामपाल मीणा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान युनूस कुरैशी (32 वर्ष), पुत्र रमजान कुरैशी, निवासी गिरधरपुरा शाहपुरा (पुलिस थाना गोठड़ा, जिला झुंझुनूं) के रूप में हुई है। पुलिस निरीक्षक रामपाल मीणा ने बताया कि आरोपी युनूस कुरैशी दुष्कर्म के एक प्रकरण में वांछित था और लगातार फरार चल रहा था।आरोपी को पकड़ने वाली टीम में थानाधिकारी रामपाल मीणा के साथ कांस्टेबल भागीरथ (176) और कांस्टेबल रामकिशन (1609) शामिल थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी युनूस कुरैशी का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ मु.न. 341/2016 धारा 341, 323, 327, 34 भादस के तहत पुलिस थाना नवलगढ़ (जिला झुंझुनूं) में मामला दर्ज है। पुलिस अब आरोपी से अग्रिम पूछताछ कर रही है।

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026; नवलगढ़ व पिलानी विधानसभा क्षेत्रों में 100' डिजिटाइजेशन, श्रेष्ठ कार्य करने वाली टीम सम्मानित

एसआईआर में 100' डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण करने पर नवलगढ़ ईआरओ कुलदीप सिंह शेखावत व पिलानी ईआरओ डॉ नरेश सोनी को जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ अरुण गर्ग ने किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिले के नवलगढ़ व पिलानी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत परिगणना प्रपत्रों (ईएफ) का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ अरुण गर्ग ने बताया कि 2 दिसंबर की शाम तक दोनों विधानसभा क्षेत्रों के बीएलओ एवं सुपरवाइजर्स द्वारा समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा किया गया। पिलानी विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,52,533 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें से बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर परिगणना प्रपत्र वितरित किए गए। बीएलओ एप के माध्यम से 2,34,081 मतदाताओं के प्रपत्र अपलोड किए गए, जबकि 18,458 मतदाताओं को ए.एस.डी. (अनुपस्थित, मृत, दोहरी प्रविष्टि, स्थानांतरित एवं अन्य) की श्रेणी में चिह्नित किया गया। इस कार्य के लिए 236 बीएलओ ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,86,660 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें से बीएलओ द्वारा बीएलओ एप के माध्यम से 2,67,262 मतदाताओं के परिगणना

प्रपत्र अपलोड किए गए, जबकि 1,944 मतदाता ए.एस.डी. श्रेणी में चिन्हित हुए। इस क्षेत्र में 262 बीएलओ ने कार्य सुचारू रूप से संपन्न किया। कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में टीम को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में पिलानी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी डॉ. नरेश सोनी एवं उनकी टीम के सदस्य चिड़ावा तहसीलदार रामकुमार पुनिया, नायब तहसीलदार बलबीर सिंह, मण्डेला नायब तहसीलदार सन्नी भाम्बू, सहायक प्रोग्रामर सुरेन्द्र कुमार तथा सूचना सहायक दिनेश शर्मा शामिल रहे। नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र से ईआरओ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कुलदीप सिंह शेखावत, तहसीलदार सीताराम कुमावत, नायब तहसीलदार बजरंग लाल मीणा, सहायक प्रोग्रामर रणजीत सिंह, उप प्रधानाचार्य मुकेश कुमार तथा नीतेश रूंथला को सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट कार्य के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ईआरओ व सुपरवाइजर को किया सम्मानित

इस दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र की ईआरओ कौशल्या बिश्नोई, पिलानी विधानसभा क्षेत्र के सुपरवाइजर विजेंद्र कुमार व झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के सुपरवाइजर कर्मवीर पूनिया को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार आर्य, तहसीलदार (निर्वाचन) मोनिका चौधरी, वरिष्ठ निजी सचिव रामसिंह पूनियां, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी नवीद खान उपस्थित रहे।

प्रफुल्ल हाटीला बने कांग्रेस बीकानेर के जिला शहरअध्यक्ष पार्षद हाटीला को मिली नई जिम्मेदारी

10 वर्षों से पार्टी में सक्रिय, संगठन में नई ऊर्जा का संचार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर कांग्रेस के अनुसूचित जाति (एस्ट) विभाग में संगठनात्मक विस्तार करते हुए पार्टी नेतृत्व ने वरिष्ठ एवं सक्रिय कार्यकर्ता प्रफुल्ल हाटीला को जिला शहरअध्यक्ष (एस्ट विभाग), कांग्रेस बीकानेर के पद पर नियुक्त किया है। हाटीला को पाबूबाड़ी, बीकानेर क्षेत्र से यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रफुल्ल हाटीला पिछले 10 वर्षों से कांग्रेस पार्टी के सक्रिय सदस्य रहे हैं और संगठन में उनकी गहरी पकड़ मानी जाती है। उनके राजनीतिक अनुभव में शैक्षणिक राजनीति से लेकर स्थानीय शासन तक की महत्वपूर्ण भूमिकाएं शामिल हैं। हाटीला महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी से

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे हैं। संगठन में उन्होंने पूर्व में जिला युवा उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया, और वर्ष 2025 में एनएसयूआई कांग्रेस प्रदेश महासचिव के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इसके अतिरिक्त, वह कृषि विभाग (कृषि मंडी बीकानेर) में नगर पालिका सदस्य रहे हैं, और वर्तमान में वह कांग्रेस पार्टी के सिंबल पर चुनाव जीतकर पार्षद के पद पर कार्यरत हैं, जो स्थानीय स्तर पर उनकी लोकप्रियता को दर्शाता है। यह नियुक्ति प्राप्त होने पर, प्रफुल्ल हाटीला (मेघवाल) ने पार्टी नेतृत्व का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी पार्टी को मजबूत करने और समाज के लिए योगदान देने की उनकी प्रतिबद्धता को और बढ़ाएगी। हाटीला ने विशेष रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम, राजस्थान प्रदेश अध्यक्षा ममता भूपेश (पूर्व कैबिनेट मंत्री), प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस राजस्थान श्री गोविंद सिंह डोटासरा, और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का हार्दिक अभिनंदन और आभार व्यक्त किया है। उन्होंने सभी कांग्रेस अध्यक्षों, पूर्व मंत्रियों और विधायकों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की।

भारतीय संस्कृति की धरोहर का मूल सार है श्रीमद् भगवत गीता- उपायुक्त डॉ. विवेक भारती

ज्ञान, आस्था और संस्कृति के संगम के साथ गीता महोत्सव का भव्य समापन, फतेहाबाद आध्यात्मिक रंगों में रंगा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । स्थानीय पंचायत भवन में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग तथा जिला प्रशासन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय गीता महोत्सव का सोमवार शाम को गरिमामयी वातावरण में विधिवत समापन हुआ। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती की सम्मानित उपस्थिति में सम्पन्न हुए समापन समारोह में दीपोत्सव, आरती और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया। महोत्सव के अंतिम दिन सैकड़ों नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आस्था और आध्यात्मिकता की अद्भुत छटा बिखेरी। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने इस अवसर पर प्रतिभागियों, सामाजिक संगठनों, विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों और कलाकारों को सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की। समापन सत्र के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि विभागों ने सरकारी योजनाओं, सेवाओं और जनकल्याणकारी अभियानों को जिस सजीव और प्रभावी तरीके से प्रदर्शित किया है, वह प्रशंसनीय और जनहित में अत्यंत उपयोगी है। उपायुक्त ने कहा कि महोत्सव की शुरुआत जितनी

भव्य थी, उसका समापन उससे भी बढ़कर उत्कृष्ट, समृद्ध और प्रेरणादायक रहा। गीता के दिव्य संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का यह एक सफल एवं सार्थक प्रयास रहा है।

गीता–भारतीय संस्कृति का शाश्वत मार्गदर्शक: डॉ. विवेक भारती

अपने संबोधन में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने कहा कि गीता भारतीय संस्कृति की धरोहर का मूल सार है, जिसमें जीवन का विज्ञान, कर्तव्य का मार्ग और धर्म की सच्ची परिभाषा समाहित है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की तर्ज पर हर जिले में गीता महोत्सव मनाने का राज्य सरकार का निर्णय सांस्कृतिक जागृति और आध्यात्मिक चेतना को नई दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि गीता हमें यह भी स्पष्ट संदेश देती है कि पूर्ण तमन्यता से किए गए कार्य पर सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हमें भारतीय संस्कृति से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। यह सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म है। उन्होंने कहा कि गीता के ज्ञान को जीवन में धारण कर हम स्वयं को भी उन्नत कर सकते हैं और समाज को भी।

योगदान के लिए हुआ सम्मान– प्रतिभा और सेवा को मिला प्रोत्साहन

गीता महोत्सव के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी प्रतिभागियों, समाजसेवी एवं धार्मिक संस्थाओं, विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को उपायुक्त द्वारा स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दीपदान कार्यक्रम ने समापन समारोह को और भी दिव्य बना दिया। कार्यक्रम में एसडीएम राजेश कुमार, नगराधीश गौरव गुप्ता, जिला राजस्व अधिकारी श्याम लाल, डीडीपीओ अनूप सिंह, उपनिदेशक अमित पंवार, जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई, डीएचओ डॉ. श्रवण कुमार, डीईईओ अनिता, जियो गीता दीपक सरदाना, नरेंद्र मोंगा, समाजसेवी महेंद्र वधवा, राधेश्याम नारंग, सुदामा शास्त्री सहित कई सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी और अधिकारी उपस्थित रहें।

हरियाणा प्रदेश में 5200 स्कूल बसों को जब्त करने के आदेश, -चेकिंग में अनफिट मिली

ज्यादातर स्कूल बसों में बसें बिना फिटनेस सर्टीफिकेट, सुरक्षा उपकरण,वैध दस्तावेज व बिना आवश्यक मानकों के बिना चलती पाई गई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंडीगढ़।

रजत विजय रंगा । प्रदेश में 5 हजार 200 स्कूल बसें जांच में अनफिट मिली हैं। प्रदेश में 11 नवंबर तक पुलिस ने 25 हजार से अधिक स्कूल बसों की चेकिंग की। इनमें 5 हजार 200 बसों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया है। इस पर पुलिस ने उनके चालान जारी किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने सभी जिला पुलिस प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि जिन स्कूल बसों में फिटनेस, सुरक्षा उपकरण, वैध दस्तावेज या आवश्यक मानकों की कमी हो, उन्हें तुरंत इंपाउंड किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की

सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की चूक स्वीकार नहीं की जाएगी। अक्टूबर के पहले सप्ताह में चार असुरक्षित स्कूल बसों को पुलिस द्वारा इंपाउंड किया गया । जारी आंकड़ों के अनुसार, 3 नवंबर से 10 नवंबर तक चलाए गए विशेष अभियान में राज्यभर में 5 हजार 516 स्कूल बसों की जांच की गई और 1,003 बसों पर चालान जारी किए गए। इस अवधि में चार बसों को असुरक्षित पाए जाने पर जब्त भी किया गया। गुरुग्राम, सोनीपत, रेवाड़ी, करनाल, कुरुक्षेत्र और चरखी दादरी जैसे जिलों में पुलिस टीमों ने विशेष रूप से गहन जांच अभियान चलाया।इधर पंजाब व राजस्थान से सटे सिरसा, फतेहाबाद,जींन्द व हिसार जिलों में विश्वनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी मिली है कि इन जिलों के निजी स्कूल बसों के ड्राइवर्स में कई चिट्टा व नशे की गोलियों के आदि हैं उनकी शारीरिक जांच होने पर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

विधायक भगवाना राम सैनी के जन्मदिन पर गायत्री गौशाला कोट में गायों को गुड़ खिलाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । उदयपुरवाटी विधायक भगवानाराम सैनी के जन्मदिन पर गायत्री गौशाला कोट ,उदयपुरवाटी में गायों को गुड खिलाया। इस दौरान नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवप्रसाद चेजारा , पार्षद दौलत राम सैनी ,पार्षद श्यामलाल सैनी, पार्षद गोविंद वाल्मीकि ,पार्षद प्रतिनिधि राकेश जमालपुरिया, कुलदीप कटारिया, रामकरण सैनी, एडवोकेट मोतीलाल, दिनेश ओलखा, राहुल चेजारा, सुनील कुमार, सुरेंद्र तंवर सहित आदि थे।

लक्ष्मनगढ नागरिक परिषद सूरत ने की कंबल वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत की ओर से जरुरतमंदों को कंबल वितरित की गई। यह जानकारी देते हुए भगवा रक्षा वाहिनी अध्यक्ष जय शंकर पुजारी एवं उपाध्यक्ष ताराचंद ठेकेदार ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत के अध्यक्ष एवं समाजसेवी प्रभु दयाल जी काबरा की प्रेरणा एवं दानदाता के सहयोग से मंगलवार को कंबल का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि कंबल वितरण लक्ष्मणगढ़ के बाहरी इलाके की कच्ची बस्तियों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को की गई।

उद्योगपति तुनवाल की बेटी की शादी समारोह में शामिल हुए देश प्रदेश के उद्यमी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

देश के जाने-माने उद्योगपति व ई व्हीकल्स तुनवाल ई मोटर्स के मालिक झूमरमल तुनवाल की स्प्रेता की शादी सरदारशहर हाल सूरत निवासी दिनेश कुमार दैया के सुपुत्र प्रिंस के चूरू में आयोजित हुई। इस अवसर पर आयोजित शादी समारोह में रियासत ग्रुप के सुमेर सिंह, हैदराबाद के महेश कुमार सैनी, मुम्बई के मुरली बालाण, लक्ष्मनगढ के अनिल बागड़ी ,सीकर के प्रदीप मोदी रामगोपाल राकसिया, निवास सैनी मुम्बई, नरपत परिहार जोधपुर, रमेश कुमार सैनी सरदारशहर, ताराचंद पारीक पूना देश प्रदेश के उद्यमी, व्यापारी, जनप्रतिनिधि व प्रबुद्ध जनों, महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के पदाधिकारी सदस्यों ने शादी समारोह में शिरकत कर वर वधू को आशीर्वाद दिया।

लक्ष्मणगढ़ शहर में दांतों के अस्पताल का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

शहर में दांतों के नये अस्पताल का शुभारंभ कबूतरिया कुआं के पास स्थित सिटी सेन्टर में शॉप नंबर 2 में शुरू हुआ है। यह जानकारी देते हुए श्री कृष्णा मेडिकल एंड जनरल स्टोर (पक्की प्याऊ के पास लक्ष्मनगढ) के संचालक अक्षित वर्मा ने बताया कि अस्पताल में जेआर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज जयपुर व महात्मा गांधी डेन्टल कालेज जयपुर की पूर्व चिकित्सक डॉ निशा मांडिया की नियमित सुविधा सोमवार से शनिवार तक प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक नियमित रूप से उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में दांत दर्द का तुरंत इलाज,खराब दांत निकालना,टूटे दांत का इलाज, दांतों की सफाई,रूट कैनाल,दांत के रंग का मशाला भरना, बत्तीसी लगाना, दांत की केप लगाना, इम्पलांट द्वारा नकली दांत लगाना, डिजिटल एक्स-रे, टेडे मेडे दांतों का उपचार ब्रेसेज द्वारा, बच्चों का दांत संबंधी उपचार व दांतों के धब्बे हटाना आदि का इलाज किया जाता है।

ओबीसी कांग्रेस अध्यक्ष देहात ओमप्रकाश सेन का कृष्ण विहार कॉलोनी में भव्य स्वागत; जनसेवा का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । हाल ही में देहात जिला ओबीसी कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त होने के उपलक्ष्य में श्री ओमप्रकाश सेन का सबसे पहला और भव्य स्वागत समारोह उनके निवास स्थान कृष्ण विहार कॉलोनी, बीकानेर के निवासियों द्वारा आयोजित किया गया। ओमप्रकाश सेन, जो मूल रूप से नायर बस्ती ग्राम पंचायत के निवासी हैं और वर्तमान में कृष्ण विहार कॉलोनी में रहते हैं, ने कॉलोनी निवासियों के इस स्नेहपूर्ण स्वागत पर भावुकता व्यक्त की। कॉलोनी निवासियों को बताया 'परिवार'

इस अवसर पर, नव-नियुक्त अध्यक्ष ओमप्रकाश सेन ने कहा, 'आज सभी कृष्ण विहार कॉलोनी निवासियों ने मेरा भविष्य स्वागत किया, मैं कॉलोनी निवासियों का सदैव ऋणी रहूँगा। हमारी पार्टी द्वारा मुझे यह बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने के बाद सबसे पहला स्वागत समारोह मेरे अपने परिवार - मेरी कॉलोनी द्वारा किया गया। मैं इस परिवार को हमेशा अपने हृदय में रखूंगा। '

शोषितों की आवाज़ उठाने का लिया संकल्प.

श्री सेन ने अपने नए पद की जिम्मेदारी पर बात करते हुए जनसेवा का दृढ़ संकल्प जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह पद आम आवाम, शोषित, पीड़ित, वंचित और पिछड़ों की आवाज उठाने के लिए दिया है, और वह इस जिम्मेदारी पर सौ प्रतिशत खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने एक बार पुनः सभी कॉलोनी निवासियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया और उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया। स्वागत का सिलसिला जारी अछंध्यक्ष बनने के बाद से ही, ओमप्रकाश सेन के निवास पर लगातार लोगों का आना-जाना लगा हुआ है, जहाँ विभिन्न संगठनों और शुभचिंतकों द्वारा उनका स्वागत किया जा रहा है?।

'वोट चोरी' रैली के लिए बीकानेर कांग्रेस सक्रिय, हजारों कार्यकर्ता जाएंगे दिल्ली

नवनियुक्त शहर अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल की अध्यक्षता में पहली बैठक; कई भाजपा व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने ली कांग्रेस की सदस्यता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा 14 दिसंबर 2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली 'वोट चोरी के खिलाफ विशाल रैली' की तैयारियों को लेकर बीकानेर शहर कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। नवनियुक्त शहर अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में बीकानेर से हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं को रेल, बस और निजी वाहनों से दिल्ली ले जाने की रणनीति पर चर्चा हुई। मेघवाल ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान सरकार एफआईआर के नाम पर वोट चोरी कर रही है, जिसके खिलाफ बीकानेर से रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रभारी विधायक श्रीमती शिमला नायक ने नए अध्यक्ष को बधाई देते हुए कांग्रेस को एकजुट होकर लड़ने और दिल्ली रैली में बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला और गोविंद राम मेघवाल ने भाजपा पर धर्म और गाय के नाम पर राजनीति करने तथा बीडीए के नाम पर जमीन हड़पने की तैयारी करने का आरोप लगाया।

निर्वतमान अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया और नवनियुक्त अध्यक्ष के साथ मिलकर काम करने का आश्वासन दिया। बैठक में देहात अध्यक्ष बिशानाराम सियाग, जिया उर रहमान आरिफ, गजेंद्र सिंह सांखला सहित सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के दौरान, नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल से प्रभावित होकर राजकुमार हाटीला, मकबूल हसन, विनोद तिवारी, मोहम्मद जूनैद, अख्तर अली और ओमप्रकाश कड़ेला सहित कई भाजपा व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

भीम प्रज्ञा कविता

एक प्रेमिका का मन

वो सामने आता है, तो सब ठीक लगता है
वो नज़रअंदाज़ करे, तो दिल थम सा जाता है
दिन भर बहुत कुछ करने को होता है
पर मन बस उसी के आसपास भटकता है

कभी वो कुछ कहे बिना चला जाता है
तो कई बातें अधूरी रह जाती हैं
कभी वो मुस्कुराए, तो लगता है
जैसे सारी दुनिया उसकी हो जाए

वो किसी और से बात करे, तो दिल भारी हो जाता है
वो किसी और को देखे, तो आँखें नम हो जाती हैं
उसके जैसा कोई और अच्छा नहीं लगता
और उसे किसी और के साथ सोच भी नहीं सकती

उसके साथ जीवन बिताने का सपना
उसके मन में पलता है
उसके नाम से जुड़ने की ख्वाहिश
दिल में रहती है

वो ही है जो हर सोच में बसता है
उसके सिवा कुछ भी अच्छा नहीं लगता

ये कविता उस प्रेमिका की है
जो कहती नहीं, पर महसूस सब कुछ करती है
जो चुप रहती है, पर दिल में तूफ़ान चलता है
जो बस उसी के लिए जीती है... बिना कहे, बिना जताए

क्षमा राव, मुंबई कवयित्री

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची जारी : सुरेंद्र कुमार को मिली राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर की अहम ज़िम्मेवारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नई।

रजत विजय रंगा । मंगलवार को कांग्रेस पार्टी ने अपने ओबीसी के संगठन पदाधिकारियों की एक राष्ट्रीय सूची जारी की . इस सूची में पूरे देश से 60 राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर और 5 जॉइंट कॉर्डिनेटर बनाए गए हैं. सूची में देश भर से ओबीसी वर्ग से आने वाले कई विधायक और बड़े नेता शामिल है. हरियाणा कांग्रेस नेता और ओबीसी कांग्रेस की राष्ट्रीय आइडियोलॉजिकल कमेटी के सदस्य सुरेंद्र कुमार सैनी सहित हरियाणा से 4 नेताओं को राष्ट्रीय कमेटी में कॉर्डिनेटर बनाया गया है. इनमें सोहना से चुनाव लड़ चुके रोहताश बेदी, केशकला एव कौशल बोर्ड के पूर्व चेयरमैन योगेन्द्र योगी , सुरेश भोला भी शामिल है. इनमें से सुरेंद्र कुमार सैनी पहले भी ओबीसी की राष्ट्रीय कमेटी में रहे हैं . हाल ही में कांग्रेस ने उन्हें कांग्रेस में ओबीसी की विचारधारा पर काम करने वाले प्रतिष्ठित लोगों की एक कमेटी का हिस्सा भी बनाया है . दिल्ली ओबीसी कांग्रेस और ओबीसी कांग्रेस सोशल मीडिया इंचार्ज के रूप में पार्टी के अहम जिम्मेदारियों पर रहे सुरेंद्र कुमार हरियाणा कांग्रेस की ओबीसी राजनीति के प्रमुख संगठन नेताओं में से हैं . मीडिया को जारी प्रैस नोट में सुरेंद्र कुमार ने पार्टी शीर्ष नेतृत्व सोनिया गांधी , नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी , कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा और ओबीसी कांग्रेस के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. अनिल जयहिंद का आभार जताया. सुरेंद्र कुमार ने कहा कि भाजपा सरकार में पिछड़ों के हितों की अनदेखी हो रही है . पिछड़ों के नाम पर वोट मांगने वाली भाजपा लगातार पिछड़ों के आरक्षण और बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है . उन्होंने कहा की आज पूरे देश में राहुल गांधी एकमात्र ऐसे नेता हैं जो दलित, पिछड़ों , किसानों, महिलाओं और आम ग़रीब के हकों अधिकारों की लड़ाई बिना डरे बिना झुके लड़ रहे हैं. सुरेंद्र कुमार ने कहा कि हरियाणा चुनाव सहित देश भर में हुई वोट चोरी पर भाजपा का पर्दाफाश करने वाले राहुल गांधी देश का राजनैतिक भविष्य है . उन्होंने कहा की देश का युवा , किसान , मजदूर और शोषित वंचित तपका राहुल जी की प्राथमिकता है , जबकि भाजपा की प्राथमिकता देश के चंद पूंजीपति और उनके हितों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ओबीसी कांग्रेस पूरे देश में जनआंदोलनों के ज़रिए कांग्रेस की मजबूती और देश के पिछड़े वर्गों के हितों की लड़ाई जोड़ शोर से लड़ेगी .

चिड़ावा में भगवान जगन्नाथ की 22वीं रथयात्रा 11 दिसंबर को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शहर में भगवान जगन्नाथ की 22वीं रथयात्रा 11 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। तैयारियों की समीक्षा के लिए सोमवार शाम को पिलानी रोड पर बैठक हुई, जिसमें आयोजन समिति के सदस्यों ने सुझाव देकर अधिक से अधिक लोगों को रथयात्रा से जोड़ने पर बल दिया।जिम्मेदारियां सौंपी गईं-शहरभर में टोलियां बनाकर पीले चावल के साथ आमंत्रण देने का निर्णय लिया गया है। समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आयोजन प्रवक्ता के अनुसार दो दिवसीय रथयात्रा महोत्सव 10 और 11 दिसंबर को होगा। पहले दिन 10 दिसंबर को सुबह दस बजे वृंदावन फार्म में चित्रकला प्रतियोगिता और नृत्य नाटिका का आयोजन होगा। मुख्य रथयात्रा 11 दिसंबर को सुबह दस बजे डालमिया खेलकूद परिसर से शुरू होकर पिलानी रोड स्थित वृंदावन फार्म हाउस पहुंचेगी। यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया जाएगा। ये रहे मौजूद-बैठक में पूर्व पार्षद मनोहर जांगिड़, झंडीप्रसाद हिम्मतरामका, आशु श्रीमाल, श्याम जांगिड़, विनीत पुजारी, राकेश शर्मा सूरजगढ़, संदीप हिम्मतरामका, सुशील शर्मा,राजकुमार जिसपाल सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

जिले के तीन सुपरवाइजर्स को मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया सम्मानित

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने वीसी के जरिए किया वर्चुअली सम्मानित

संभागीय आयुक्त और जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

जिले में 98.60 फीसदी हुआ डिजिटलाइजेशन, खाजूवाला नंबर वन पर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान समय से पूर्व शत प्रतिशत कार्य करने वाले जिले के तीन सुपरवाइजर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने मंगलवार को वीसी के जरिए वर्चुअली सम्मानित किया। कलेक्ट्रेट के एनआईसी वीसी रूम में संभागीय आयुक्त श्री विश्राम मीणा और जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नम्रता वृष्णि ने संबंधित तीनों सुपरवाइजर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी का प्रशस्ति पत्र सौंपकर भौतिक रूप से सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक मनीष, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश यादव, ईआरओ बीकानेर पूर्व (आईएएस) महिमा कसाना,ईआरओ बीकानेर पश्चिम श्री रमेश देव, ईआरओ खाजूवाला श्री पंकज गढ़वाल, एनआईसी डीआईओ श्री संकल्प शर्मा, चुनाव शाखा प्रभारी श्री शिव कुमार पुरोहित समेत चुनाव शाखा के अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

इन तीन सुपरवाइजर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया सम्मानित

जिला निर्वाचन अधिकारी वृष्णि ने बताया कि जिले के जिन तीन सुपरवाइजर का सम्मान किया गया उनमें बीकानेर पश्चिम के सुपरवाइजर उमाशंकर पुरोहित, खाजूवाला के दो सुपरवाइजर राकेश कुमार गोदारा और ओम प्रकाश शर्मा शामिल हैं। इन तीनों ही सुपरवाइजर ने 28 नवंबर को ही अपना कार्य शत प्रतिशत पूर्ण कर लिया था।

प्रत्येक सुपरवाइजर के अंतर्गत 8-10 बीएलओ कर रहे थे कार्य

श्रीमती वृष्णि ने बताया कि बीकानेर पश्चिम के सुपरवाइजर श्री उमाशंकर पुरोहित के सुपरविजन में भाग संख्या 79,85,86,87,89,104, 105,106,107 और 108 कुल 10 बीएलओ कार्य कर रहे थे। इसी प्रकार खाजूवाला के सुपरवाइजर श्री राकेश कुमार गोदारा के सुपरविजन में भाग संख्या 203-210 तक यानी कुल 08 बीएलओ और ओम प्रकाश शर्मा के सुपरविजन में भाग संख्या 39-43 व 60-63 यानी कुल 09 बीएलओ कार्य कर रहे थे। इन सभी बीएलओ ने 28 नवंबर को ही शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया। लिहाजा तीनों सुपरवाइजर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि जिलों में सुपरवाइजर्स ने समय से पूर्ण कार्य पूर्ण कर अपनी निष्ठा, परिश्रम और उत्कृष्ट कार्य-शैली का परिचय दिया है। इसी सराहनीय योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर कार्यक्रम में सुपरवाइजर की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य भर में सुपरवाइजर विशेष पुनरीक्षण कार्य को गति प्रदान कर रहे हैं।

जिले में 810 बीएलओ समय से पूर्व कर चुके शत प्रतिशत कार्य पूर्ण

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती वृष्णि ने बताया कि जिले के कुल 1638 बीएलओ में से 810 बीएलओ मंगलवार शाम तक समय से पूर्व अपना कार्य शत प्रतिशत पूर्ण कर चुके हैं।

जिले में 98.60 फीसदी हुआ डिजिटलाइजेशन, खाजूवाला नंबर वन पर

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती वृष्णि ने बताया कि जिले में 98.60 फीसदी गणना प्रपत्रों का डिजिटलाइजेशन हो चुका है। खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र सर्वाधिक 99.44 फीसदी प्रपत्रों के डिजिटलाइजेशन के साथ प्रथम स्थान पर है। वहीं 99.43 फीसदी के साथ श्रीडूंगरगढ़ दूसरे और 99.22 फीसदी के साथ बीकानेर पूर्व तीसरे स्थान पर है।

जिले में 5.12 फीसदी है नो मैपिंग का आंकड़ा

श्रीमती वृष्णि ने बताया कि जिले में नो मैपिंग का आंकड़ा 5.12 फीसदी है। जिसमें खाजूवाला 10.41 फीसदी नो मैपिंग के साथ सबसे पीछे, बीकानेर पूर्व 10.38 फीसदी के साथ सेकंड लास्ट और बीकानेर पश्चिम 7.31 फीसदी के साथ थर्ड लास्ट है। मैपिंग में 1.92 फीसदी नो मैपिंग के साथ श्री डूंगरगढ़ जिले में टॉप पर है।

बीकानेर कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ में नई नियुक्तियाँ: ओमप्रकाश सैन (देहात) और उमा सुथार (शहर) को मिली कमान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) पार्टी ने बीकानेर जिले में अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) प्रकोष्ठ के नेतृत्व में बड़ा फेरबदल करते हुए दो महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की हैं। अनुभवी कार्यकर्ताओं को यह जिम्मेदारी सौंपकर पार्टी ने संगठन को और अधिक मजबूत करने का संदेश दिया है। बीकानेर जिला (देहात) कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी श्री ओमप्रकाश सैन को सौंपी गई है। बीकानेर शहर जिला कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पद पर श्रीमती उमा सुथार की नियुक्ति की गई है। कांग्रेस पार्टी के हाईकमान द्वारा दिए गए इस बड़ी जिम्मेदारी को लेकर बीकानेर शहर और देहात के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। ओमप्रकाश सैन का राजनीतिक अनुभव काफी विस्तृत है। वह पिछले कई समय से कांग्रेस पार्टी में विभिन्न पदों पर सक्रिय रूप से कार्य कर चुके हैं। उनकी यह नियुक्ति उनके संगठनात्मक कौशल और पार्टी के प्रति उनकी लंबी निष्ठा का परिणाम है। शुभकामनाएँ और संगठन को सशक्त बनाने की आशा दोनों ही नवनियुक्त जिलाध्यक्षों, ओमप्रकाश सैन और श्रीमती उमा सुथार को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने विश्वास जताया है कि आपके ऊर्जावान नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त, संगठित तथा जनसेवा के प्रति समर्पित बनेगा। यह नियुक्ति बीकानेर में ओबीसी वर्ग को कांग्रेस से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होगी।

श्रीयादे माटी कला बोर्ड की 24 मशीनें चिड़ावा पहुंची, माटी कामगारों को प्रशिक्षण जल्द

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

राजस्थान सरकार के श्रीयादे माटी कला बोर्ड द्वारा माटी कला कामगारों को आवंटित करने के लिए 24 मशीनें चिड़ावा पहुंच गई हैं। ये मशीनें पिलानी और सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के लॉटरी द्वारा चयनित कामगारों को दी जाएंगी। बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टांक द्वारा भेजी गई इन मशीनों में 24 स्वचालित इलेक्ट्रिकल चाक मशीनें और मिट्टी गोंदने की स्वचालित इलेक्ट्रिकल मशीनें शामिल हैं। कुम्हार कुमावत महासभा के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार कुमावत, भाजपा नगर मंडल के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, महासभा के जिला कार्यकारी अध्यक्ष राधे श्याम ऑपरेटर और महासभा के युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेश वर्मा ने बताया कि कुछ दिन पहले पूरे झुंझुनू जिला की सातों विधानसभाओं के 158 आवेदकों में से 70 चयनित आवेदकों की लॉटरी मोरवाल मंगल भवन झुंझुनू में निकाली गई थी।

इसी क्रम में मंगलवार को पिलानी एवं सूरजगढ़ विधानसभा के चयनित कामगारों के लिए मशीनें चिड़ावा पहुंची हैं। शेष विधानसभाओं–झुंझुनू और नवलगढ़–में भी मशीनें पहुंच चुकी हैं। पदाधिकारियों ने बताया कि चयनित कामगारों के लिए कल या परसों से 10 दिन का प्रशिक्षण शिविर शुरू होगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा ये मशीनें कामगारों को प्रदान की जाएंगी। पदाधिकारियों ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, और श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टांक का आभार प्रकट किया।

बस्ती में कई कारणों से दो लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटाए

बस्ती (एजेंसी)। विधानसभा क्षेत्रवार निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का कार्य तेजी से चल रहा है। सोमवार को जनपद के 74.26 फीसदी मतदाताओं का डाटा डिजिटाइज्ड हो गया। अभी भी 25 फीसदी मतदाताओं का डिजिटाइजेशन का कार्य होना बाकी है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में 19 लाख 430 मतदाता हैं। इनमें से 14 लाख 12 हजार आठ मतदाताओं का डाटा डिजिटाइज्ड हो गया है। इनमें से 816 मतदाताओं ने खुद अपना डाटा फीड किया। एसआईआर के दौरान 48326 मतदाता ऐसे चिह्नित किए गए हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इनके डाटा को बीएलओ ने परिवार वालों से कलेक्ट किया। इनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है और निर्वाचक नामावली में कटे मतदाता के तौर पर डिजिटाइज्ड कर दिया गया है। यह कुल मतदाताओं का 2.54 फीसदी है। जिले में 35656 मतदाता ऐसे हैं, जो अब्सेंट हैं। उनको बीएलओ खोज नहीं पाए। जानकारी के मुताबिक स्थाई तौर पर 114709 मतदाता स्थाई तौर पर दूसरी जगह पर शिफ्ट हो गए। 23267 मतदाता ऐसे हैं, जो दूसरी जगह पर इनरोल्ड हैं और उनका नाम दूसरी जगह से काट दिया जाएगा। अन्य कारणों से 2777 मतदाताओं का नाम सूची से हटाया गया है। इस प्रकार कुल दो लाख 24 हजार 835 मतदाताओं का नाम सूची से हटाया है। इनका डाटा डिजिटाइज्ड कर दिया गया है।

बलरामपुर में बस-ट्रक की टक्कर, आग लगने से तीन नेपाली यात्रियों की मौत, 24 झुलसे

बलरामपुर (एजेंसी)। बलरामपुर के फुलवरिया बाईपास पर सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सोनौली से दिल्ली जा रही एक पैसेंजर बस अनियंत्रित होकर हाई-टेंशन लाइन और ट्रांसफार्मर से टकरा गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। हादसे में तीन यात्रियों की झुलसकर मौत हो गई। बस के टकराने के बाद गर्म कपड़े ले जा रहे एक ट्रक में भी आग लग गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय बस में ज्यादातर यात्री नेपाल के थे। हादसे में 24 अन्य यात्री भी घायल हुए, जिनमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायलों को बहराइच और लखनऊ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बाकी मामूली घायल यात्रियों को दिल्ली और नेपाल के लिए रवाना किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने घायलों के परिजनों से संपर्क कर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बस का ड्राइवर और कंडक्टर अभी तक लापता हैं। पुलिस और स्थानीय प्रशासन उनके खोजने में जुटे हुए हैं। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। साथ ही प्रभावित परिवारों की मदद के लिए प्रशासन लगातार संपर्क बनाए हुए है। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए सभी जरूरी राहत और सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं।

तुलसी निकेतन आवासीय परिसर का व्यापक पुनर्विकास, 20 हजार लोगों को मिलेगा आवास

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के सबसे पुराने और जर्जर हो चुके तुलसी निकेतन आवासीय परिसर का व्यापक पुनर्विकास करना, ताकि करीब 20 हजार से अधिक निवासियों को सुरक्षित और आधुनिक आवास मिल सकें। गुरुवार को जीडीए (गाजियाबाद विकास प्राधिकरण) और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के बीच परियोजना के लिए समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह प्रोजेक्ट पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। पुनर्विकास की लागत न तो प्राधिकरण पर आएगी और न ही आवंटियों पर, जिससे निवासियों पर कोई आर्थिक भार नहीं पड़ेगा। एनबीसीसी इस प्रोजेक्ट को परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में दो चरणों में पूरा करेगा। समझौता हस्ताक्षर के बाद, आठ सप्ताह में एनबीसीसी प्राधिकरण को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपेगा, जिसमें क्रियान्वयन मॉडल का आंकलन होगा। शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर डीपीआर (विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार की जाएगी। वर्तमान स्थिति: जीडीए ने वर्ष 1989-90 में 7.83 हेक्टेयर भूमि पर यह योजना विकसित की थी। कुल 2,292 फ्लैट (2004 ईडब्ल्यूएस और 288 एलआइजी) और 60 दुकानें बनाई गई थीं। वर्तमान में यहां 20 हजार से अधिक लोग निवास करते हैं। योजना के 16 एकड़ क्षेत्र में निजी डवलपर्स के सहयोग से नई बहुमंजिला आवासीय इमारतें बनाई जाएंगी। यह पुनर्विकास योजना तुलसी निकेतन के निवासियों को सुरक्षित और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी... भारतीयों के एच-1बी वीजा में एक साल में ही 40 प्रतिशत की कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के बाद भारतीयों के एच2-1बी वीजा में एक साल में ही 40 फीसदी की कमी आई है। यूएससीआईएस के आंकड़ों के मुताबिक 2015 से अब तक एच-1बी वीजा की मंजूरी मिलने में 70 फीसदी की कमी आई है। वहीं एक साल में ही यह 37 फीसदी कम हो गया। भारत की पांच सबसे बड़ी आईटी कंपनियों में टीसीएस के ही सबसे ज्यादा कर्मचारियों को एच-1बी वीजा मिला है। वहीं भारत की कंपनियों को कुल 4.5 हजार एच-1बी वीजा ही जारी हो सके हैं, जो कि इस दशक में सबसे कम हैं। टीसीएस का भी रेजेक्शन रेट 7 फीसदी तक बढ़ा है। 2024 में टीसीएस के 4 फीसदी आवेदन ही रद्द हुए थे। इस साल टीसीएस के 5293 कर्मचारियों को अमेरिका में अपनी नौकरी जारी रखने की अनुमति मिली है। वहीं भारत से अमेरिका जाने वाले कर्मचारियों को इस साल टीसीएस के केवल 846 लोगों को ही एच-1बी वीजा दिया गया है। जबकि 2024 में यह संख्या 1452 के करीब थी। अमेरिका में भारत की टॉप आईटी कंपनियों में पहले नंबर पर टीसीएस है, जिसका रिजेक्शन रेट 7 प्रतिशत है। इसके बाद इंफोसिस का रिजेक्शन रेट 1 प्रतिशत, एचसीएल अमेरिका का 1 फीसदी, एलटीआई माइंडट्री का 1 फीसदी और विप्रो का 2 फीसदी है। अमेरिका में एच-1बी वीजा के मामले में अमेजन, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल सबसे आगे हैं। टॉप एच-1बी वीजा पिटिशन वाली 25 कंपनियों में केवल तीन भारतीय हैं। टीसीएस के अलावा बाकी कंपनियों का रिजेक्शन रेट कम है। इसकारण कंपनियां अब आवेदन ही कम करवा रही हैं। अमेरिका में एच-1बी वीजा की नीति को लेकर एलन मस्क ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारतीयों से अमेरिका ने खूब पैसा कमाया है। मस्क ने कहा कि तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भारतीय अप्रवासियों की प्रतिभा ने अमेरिका को बहुत लाभ पहुंचाया। उन्होंने कहा कि वैश्विक कंपनियों में शीर्ष पदों पर भारतीय मूल के लोग हैं। बता दें कि बीते कुछ समय से ही ट्रंप और मस्क के रिश्तों में दरार पड़ गई है।

चिड़ावा पंचायत समिति की साधारण सभा बैठक सम्पन्न, मनरेगा के लिए 4 करोड़ 86 लाख का बजट पारित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा

पंचायत समिति सभागार में मंगलवार दोपहर कार्यवाहक प्रधान रोहिताश धांगड़ की अध्यक्षता में साधारण सभा की बैठक आयोजित हुई। बैठक डेढ़ घंटे देरी से शुरू हुई और लगभग आधे घंटे में ही समाप्त हो गई। बैठक की शुरुआत पिछली कार्यवाही की समीक्षा से हुई। इसके बाद मनरेगा योजना के तहत वर्ष 2025-26 के लिए 4 करोड़ 86 लाख रुपये काचंगं बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। साथ ही वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना पर चर्चा कर उसका अनुमोदन किया गया।तहसीलदार राम कुमार पूनिया की मौजूदगी में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली आपूर्ति, सार्वजनिक निर्माण विभाग, महिला एवं बाल विकास, आपदा प्रबंधन और पंचायतीराज व ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में विभिन्न मांगें भी उठाई गईं। सरपंच अनिल कटेवा (बख्तावरपुरा) ने अलीपुर मार्ग पर झाड़ियों से हो रही परेशानी बताते हुए रास्ता चौड़ा करने और सड़क निर्माण की मांग की।सरपंच उम्मेद सिंह (सारी) ने स्कूल के ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी लाइन को हटाने की आवश्यकता बताई। कार्यवाहक प्रधान रोहिताश धांगड़ ने कटानी रास्ते से तारबंदी हटाने का मुद्दा उठाते हुए तहसीलदार से पटवारियों को निर्देश जारी करने का आग्रह किया। बैठक में पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बीकानेर: नया शहर थानाधिकारी कविता पूनिया ने की हेलमेट और शराब पीकर ड्राइविंग के खिलाफ सख्ती

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर के नया शहर पुलिस थाना क्षेत्र में, थानाधिकारी कविता पूनिया के नेतृत्व में मुरलीधर व्यास कॉलोनी चौराहे पर सघन हेलमेट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान, बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई, साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। थानाधिकारी कविता पूनिया ने स्वयं मौके पर मौजूद रहकर चेकिंग का नेतृत्व किया। उन्होंने वाहन चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में समझाया और लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

थानाधिकारी कविता पूनिया का संदेश

एसएचओ कविता पूनिया ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हेलमेट पहनना न केवल कानूनी अनिवार्यता है, बल्कि यह जीवन बचाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि शराब पीकर गाड़ी चलाना एक गंभीर अपराध है और इससे होने वाली दुर्घटनाएं पूरे परिवार को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस का उद्देश्य लोगों को परेशान करना नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

स्वास्थ्य के अलावा क्षेत्र के आधाभूत ढ़ाचे में सुधार के लिए मंत्री आरती राव के क्षेत्र में 7.42 करोड़ ने 4 नई सडक़ो की मंजूरी मिलने से अटेली के विकास में आाएगी तीव्रता-दिनेश जेलदार चेयरमैन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । स्वास्थ्य मंत्री आरी राव के प्रयासों से अटेली क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं में तो सुधार हो ही रहा है, आधारभूत ढ़ाचें में सडक़े भी स्वीकृति मिल रही है। अटेली क्षेत्र के 7.42 करोड़ ने 4 नई सडक़ो की मंजूरी मिलना तथा आगामी छ: माह में इनका कार्य पूरा होना बड़ी उपलब्धि है। यह बात मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार ने जारी एक बयान में कही। चेयरमैन ने कहा कि धन्नौदा से सीहोर तथा सुंदरह से बवानिया तक की नई सडक़ो का निर्माण होगा। इस सडक़ के बनने से लिंक गांवों को लाभ मिलेगा। इन सडक़ों से दर्जनों गांवों का सुगम आवागमन होगा। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री ने महेंद्रगढ़ के 100 बैड अपग्रेड करने व नारनौल अस्पताल के दो साल से अटके अस्पताल के भवन का टेंडर हो चुका है। उनके मजबूत नेतृत्व, दूरदृष्टि और जनता के प्रति संवेदनशीलता का परिणाम यह है कि मंत्री ने नियमों और परंपराओं के सीमित दायरे से बाहर निकलकर प्रदेश व जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रबंध के लिए अपनी उर्जा लगा रही है। स्वास्थ्य सेवा के साथ आधारभूत ढ़ाचों को सुदृढ करने में महत्वपूर्ण कदम तो उठा रही है इसके अलावा दूसरे कार्यो में भी चंडीगढ़ सचिवालय से क्षेत्र की फाइलों हो चला रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार व्यक्त किया है। अटेली क्षेत्र में अल्ट्रासाउंड की सुविधा प्रारंभ हो गई है जिससे लोगों को भरपूर लाभ मिलेगा।

मेवाराम मेघवाल पुनः बने कांग्रेस बीकानेर देहात अध्यक्ष, जताया शीर्ष नेतृत्व का आभार

कोलायत-बज्जू क्षेत्र के सक्रिय कार्यकर्ता को 15 वर्षों के अनुभव के बाद मिली दोबारा जिम्मेदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । कोलायत-बज्जू, बीकानेर क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता मेवाराम मेघवाल (बरसलपुर) को एक बार फिर बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें पार्टी नेतृत्व द्वारा पुनः जिला देहात अध्यक्ष, कांग्रेस बीकानेर के पद पर नियुक्त किया गया है। मेघवाल ने उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए पार्टी नेतृत्व का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। मेवाराम मेघवाल पिछले 15 वर्षों से कांग्रेस पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। उन्हें इससे पूर्व वर्ष 2015 में संभाग प्रभारी गोविंद राम मेघवाल ने पहली बार यह जिम्मेदारी सौंपी थी। वर्तमान में, मेघवाल पंचायत समिति सदस्य (वार्ड नंबर 3, बरसलपुर) हैं, जहां उन्होंने कांग्रेस पार्टी के सिंबल पर चुनाव लड़ा और विजय प्राप्त की। मेघवाल ने अपनी नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेंद्र पाल गौतम, राजस्थान प्रदेश अध्यक्षा ममता भूपेश (पूर्व कैबिनेट मंत्री), प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, और पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल (बीकानेर) सहित सभी कांग्रेस अध्यक्षों, पूर्व मंत्रियों और विधायकों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पार्टी को मजबूत करने का कार्य करेंगे।

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगला पशु बीमा योजना के शिविर का किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज

जोधपुर, । राज्य सरकार के पशुपालन विभाग की ओर से एक दिसंबर-2025 से शुरू हुए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना 2025-26 के तहत मंगलवार को जिले के मथानिया में आयोजित शिविर का पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने औचक निरीक्षण किया। प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय भवन में आयोजित शिविर के दौरान उन्होंने पशुपालकों को केंद्र व राज्य सरकार की ओर से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने खासकर किसानों व पशुपालकों के हित में संचालित योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के संबंध में जानकारी देते हुए पशुपालन मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रदेश में पशुधन संरक्षण को एक नया आयाम देने के लिए सरकार संकल्पित होकर काम कर रही है। इसी दृष्टि से पशुपालकों के आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए एवं उन्हें आर्थिक संबल प्रदान किए जाने हेतु मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत राज्य में 21 लाख पशुओं का नि:शुल्क बीमा किया जाना है। कुमावत ने बताया कि योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए बीमा का काम प्रारंभ हो गया है। इसके तहत गांवों में शिविर लगाकर पशुओं का बीमा किया जा रहा है। पशुपालक किसान इसका अधिकाधिक फायदा उठाएं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बीमा के कार्य में गति और सुगमता लाने के उद्देश्य से प्रक्रिया में कुछ परिवर्तन किए गए हैं। इस बार पहले आओ पहले पाओ के आधार पर बीमा का काम होगा जबकि पिछले वर्ष यह लॉटरी द्वारा किया गया था। इस वर्ष पशु चिकित्सक और सर्वेयर एक साथ काम करेंगे और पशुओं का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी करने के साथ ही बीमा पॉलिसी भी जारी कर दी जाएगी। इससे पशुपालकों को लाभ मिलने में तो आसानी होगी ही साथ ही काम में भी गति आएगी। मंत्री श्री कुमावत ने कहा कि योजना के नियमों के अनुसार इस वर्ष एक पशुपालक एक जन आधार पर दो गाय, दो भैंस अथवा एक गाय और एक भैंस, 10 ऊंट तथा 10 भेड़ या 10 बकरियों का नि:शुल्क बीमा करवा सकता है। पशुपालक शिविरों से पूर्व या शिविरों के दौरान भी स्वयं पंजीकरण कर सकेंगे। इसके लिए मंगला पशु बीमा योजना 25-26 का मोबाइल एप लॉन्च किया गया है जो गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इस एप के माध्यम से जन आधार का उपयोग कर पशुओं का पंजीकरण कुछ ही मिनटों में किया जा सकता है। पशुपालक ई-मित्र के माध्यम से भी 30 रुपये की राशि अदा कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। इस दौरान पशुपालन मंत्री ने गोपाल क्रेडिट कार्ड, सैक्स सोर्टेड सीमन व अन्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। मंत्री श्री कुमावत ने उपस्थितजनों को विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) अभियान के बारे में जानकारी दी। इस मौक़े पर अतिरिक्त निदेशक डॉ मनमोहन नागौरी, सयुंक्त निदेशक डॉ संजयकृष्ण व्यास मौजूद थे ।

डिजिटल अपराध में तेज़ी से बढ़ोतरी, सेक्सटॉर्शन और साइबर अपराध के ज़रिए मुंबईकरों से 127 करोड़ रुपये ठगे गए

मुंबई (एजेंसी)। इन दिनों मुंबई में डिजिटल अपराध में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है और सेक्सटॉर्शन एवं साइबर अपराध की वजह से मुंबईकरों से 127 करोड़ रुपये ठगे जाने की खबर सामने आई है। बताया गया है कि सेक्सटॉर्शन के मुकाबले तीन गुना ज़्यादा लोग साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं। साइबर अपराध में शेयर ट्रेडिंग फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, क्रिप्टोकरेंसी स्कैम और प्रोविडेंट फंड स्कैम शामिल हैं। सेक्सटॉर्शन जैसे ही साइबर अपराध जैसे डिजिटल अपराध में तेज़ी से बढ़ोतरी होने से लोगों के बीच चिंता का माहौल है। खबर है कि 2022 से अगस्त 2025 के बीच मुंबई में सेक्सटॉर्शन के 193 और साइबर अपराध के 603 मामले दर्ज किए गए। इन डिजिटल अपराधों में लोगों से 127.6 करोड़ रुपये ठगे गए हैं। दरअसल

राज्य साइबर विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरनेट एक्सेस और जागरूकता की कमी की वजह से सेक्सटॉर्शन और साइबर अपराध जैसे वर्चुअल क्राइम बढ़ रहे हैं। सेक्सटॉर्शन में सायबर अपराधी चैट या वॉट्सअप ऐप वीडियो कॉल के दौरान मॉर्फ्ड, आपत्तिजनक इमेज दिखाकर लोगों को ब्लैकमेल करते हैं ताकि उनसे पैसे ऐंठे जा सकें। इस बीच, साइबर अपराध में अपराधी सोशल मीडिया पर लोगों को टारगेट करते हैं और अपनी असली पहचान छिपाते हैं। मुंबई के पवई इलाके में रहने वाले एक युवा मैनेजर ने क्रेक ब्वाक डी नाम के डेटिंग ऐप पर दिव्या नाम की एक महिला से दोस्ती की। 20,000 रुपये चार्ज करने के बाद, दिव्या ने पीड़ित का निजी वीडियो उसके भाई, दोस्तों और उसकी कॉन्टैक्ट लिस्ट के सदस्यों को भेज दिया। फिर उसने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट न करने का वादा करके मैनेजर से 2 लाख रुपये ऐंठ लिए। इस बीच, मलाड की एक छात्रा को छह महीने तक साइबर अपराध का सामना करना पड़ा। जब पुलिस ने मुंबई से सटे मीरा रोड से आफताब को गिरफ्तार किया, तो उन्हें पता चला कि पीड़िता उसे कॉलेज में इग्नोर कर रही थी। इसीलिए वह उसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर उसे परेशान कर रहा था।

क्या हम उनके लिए लाल कालीन बिछाएं? रोहिंग्या घुसपैठ पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमित कल्याणकारी संसाधनों पर दबाव पर ज़ोर देते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि क्या आपके गरीब बच्चे इन लाभों के हकदार नहीं हैं? क्या हमें कानून को इतना ज़्यादा खींचना होगा? पीठ ने अवैध प्रवासन, खासकर भारत की उत्तरी सीमाओं पर, से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं पर भी प्रकाश डाला। मुख्य न्यायाधीश ने इस मुद्दे के राष्ट्रीय सुरक्षा पहलू पर ज़ोर देते हुए कहा कि उत्तर भारत में हमारी सीमा बेहद संवेदनशील है। अगर कोई घुसपैठिया अवैध रूप से प्रवेश करता है, तो क्या उसे यहीं रखना हमारा दायित्व है? ये टिप्पणियाँ रोहिंग्याओं के लापता होने का आरोप लगाने वाली एक याचिका की सुनवाई के दौरान आईं।

हालाँकि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका के मूल आधार पर ही सवाल उठाते हुए तर्क दिया कि यह याचिका किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा दायर की गई है जिसका ऐसे मुद्दे उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि एक जनहित याचिका याचिकाकर्ता, जिसका रोहिंग्याओं से कोई लेना-देना नहीं है, ये प्रार्थनाएँ कर रहा है। अदालत से इस याचिका पर विचार न करने का आग्रह किया। पक्षों की संक्षिप्त सुनवाई के बाद, पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी और कहा कि वह 16 दिसंबर को इस पर फिर से विचार करेगी। ये टिप्पणियाँ रोहिंग्य ओं के लापता होने का आरोप लगाने वाली एक याचिका की सुनवाई के दौरान आईं। हालाँकि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका के मूल आधार पर ही सवाल उठाते हुए तर्क दिया कि यह याचिका किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा दायर की गई है जिसका ऐसे मुद्दे उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि एक जनहित याचिका याचिकाकर्ता, जिसका रोहिंग्याओं से कोई लेना-देना नहीं है, ये प्रार्थनाएँ कर रहा है,÷ और अदालत से इस याचिका पर विचार न करने का आग्रह किया। पक्षों की संक्षिप्त सुनवाई के बाद, पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी और कहा कि वह 16 दिसंबर को इस पर फिर से विचार करेगी।

कर्नाटक में सिद्धरमैया और डीके के बीच समझौता... तूफान के आने से पहले की शांति

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के विपक्षी दलों और राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कर्नाटक के नाटक को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच 'समझौता' अस्थायी है। उन्होंने कहा, यह तूफान से पहले की शांति और एक 'रणनीतिक समायोजन' है। लेकिन कांग्रेस ने मुद्दे पर भ्रम पैदा करने के लिए विपक्ष और मीडिया को जिम्मेदार ठहराया। एक महीने से चल रहे सत्ता संघर्ष के बाद दोनों नेताओं ने शनिवार को सिद्धरमैया के आवास पर नाश्ते पर मुलाकात कर मतभेदों के दूर होने की बात कही। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने बाद में प्रेसवार्ता को संबोधित किया, एकता का प्रदर्शन कर ऐलान किया कि वे पार्टी आलाकमान का कहना मानने वाले है। इस तरह, उन्होंने मुख्यमंत्री परिवर्तन पर विवाद को खत्म करने की कोशिश की। कथित तौर पर 2023 में कर्नाटक में सरकार बनाते समय सहमति बनी थी कि ढाई साल के कार्यकाल के बाद शिवकुमार मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने हैं, और ढाई साल नवंबर 2025 में पूरे हुए।

राज्य की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रकाश शेषराघवचार के मुताबिक जिस बैठक के परिणामस्वरूप संघर्ष विराम हुआ, वह ''हर असहमति को सुलझाने के बारे में कम और कामकाजी सद्भाव को बहाल करने के बारे में अधिक थी''। उन्होंने दावा किया, ''यह केवल एक अस्थायी समझौता है। एक बार जब कोई राजनीति में अति महत्वाकांक्षी होता है, तब आप उस शख्स को कुछ समय के लिए शांत करा सकते हैं, लेकिन यह फिर से उभरेगा।' बीजेपी नेता शेषराघवचार के मुताबिक, शिवकुमार ने अपने समर्थकों को उनके पक्ष में आवाज उठाने के लिए उकसाया था। इसके बाद ''शिवकुमार के समर्थक विधायक दिल्ली गए और कुछ संत भी उनके समर्थन में आए। अब डीके पीछे नहीं हट सकते। इस बात से उनकी प्रतिष्ठा को धक्का लगेगा। अब उनके सामने करो या मरो की स्थिति है, जिसे उन्होंने खुद न्यौता दिया है। हो सकता है कि मीडिया या किसी और माध्यम से इस नए सिरे से शुरू करने के लिए वह कुछ समय तक चुप रहें।''

भाजपा नेता ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस अब दो गुटों में बंट चुकी है और इसकी लड़ाई राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस जैसी हो गई है, जहां गुटबाजी ने चुनाव में इसकी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। अन्य विपक्षी पार्टी जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के विधान पार्षद (एमएलसी) टी ए शरवण ने बताया कि इस विवाद ने दोनों नेताओं और उनकी पार्टी को जनता के सामने पहले ही बेनकाब किया है, लेकिन अब वे अपने झगड़े को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''राज्य के लोग एकता के इस प्रदर्शन को स्वीकार नहीं करने वाले है। कर्नाटक सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में असमर्थ है और विकास कार्यों को करने में विफल रही है। इसलिए, मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने नाटक का मंचन किया।''

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक रामकृष्ण उपाध्याय ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने सिर्फ सुलह-समझौते का काम किया है, जो ज्यादा दिन नहीं रहने वाला है। उन्होंने कहा, ''कल की नाश्ते पर बैठक आलाकमान के आदेश पर हुई थी, इस उन्होंने (मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने) स्वेच्छा से नहीं किया था। उनके बीच पहले से ही मतभेद थे। नाश्ते पर बैठक और प्रेसवार्ता आलाकमान द्वारा पूरी तरह से सुनियोजित कदम था। वरिष्ठ पत्रकार उपाध्याय ने कहा, ''सिद्धरमैया और शिवकुमार ने ठीक वहीं किया, जो उन्हें बताया गया था, कि वे साथ हैं, उनमें एकता है, उनके बीच कोई मतभेद नहीं हैं और वे कांग्रेस आलाकमान की बातों पर अड़े रहने वाले है। लेकिन इतने महीनों और पिछले एक हफ्ते से चल रही तीखी खींचतान के बाद, क्या समाधान की कोई संभावना है? नतीजा शून्य है।''

उनके अनुसार, नाश्ते की बैठक में कुछ भी हासिल नहीं हुआ, क्योंकि इसमें स्पष्टता का अभाव था कि क्या आलाकमान ने डीके को मुख्यमंत्री बनाने के संबंध में कोई वादा किया था। कांग्रेस प्रवक्ता एम. लक्ष्मण ने जोर देकर कहा कि दोनों नेताओं के बीच किसी भी समय कोई मतभेद नहीं था। लक्ष्मण ने बताया कि ''मतभेदों का विमर्श भाजपा और जनता दल (एस) और मीडिया के एक वर्ग का नतीजा है। अगर कोई समझौता हुआ था, तब वह कांग्रेस का अंदरूनी मामला था और फैसले पार्टी को लेने थे।

रायपुर वनडे से पहले स्टेन का बड़ा बयान: रोहित-विराट का जलवा कायम, डी कॉक पर सबकी निगाहें

रांची (एजेंसी)। रायपुर में भारत के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे, जबकि दक्षिण अफ्रीका के लिए, रांची में पहले वनडे में शून्य पर आउट होने के बाद वरिष्ठ बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक को कुछ साबित करना होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा वनडे बुधवार को रायपुर में होगा। भारत सीरीज में 1-0 से आगे है।

रांची में पहले वनडे में विराट कोहली (135), केएल राहुल (60) और रोहित शर्मा (58) ने यादगार बल्लेबाजी की, जिससे भारत 349/8 पर पहुंच गया। 11/3 से पिछड़ने के बाद, मैथ्यू ब्रीट्ज़के (72), मार्को जेनसन (70) और कॉर्बिन बॉश (67) की प्रोटियाज तिकड़ी ने प्रोटियाज को जीत के करीब पहुंचाया। दूसरे वनडे से अपनी उम्मीदों पर बात करते हुए, जियोस्टार विशेषज्ञ स्टेन ने कहा कि मुझे लगता है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का प्रदर्शन जारी रहेगा। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि कौन से तेज़ गेंदबाज़ और कौन से स्पिनर कुछ दिलचस्प करते हैं। यह अब तक बल्लेबाज़ों के लिए स्वर्ग रहा है, तो कौन से गेंदबाज़ दूसरे वनडे में अच्छा प्रदर्शन करेंगे? क्विंटन डी कॉक ने पहले वनडे में कोई रन नहीं बनाया था, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें अपनी बात साबित करनी होगी। वह ऐसे गेंदबाज़ हैं जिन पर दक्षिण अफ्रीका बड़ा स्कोर बनाने के लिए निर्भर करेगा।

इस साल वनडे से संन्यास लेने के बाद सफ़ेद गेंद से वापसी करने के बाद से, डी कॉक ने वनडे में दक्षिण अफ्रीका के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने चार मैचों में 79.66 की औसत और 91 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 123* रन रहा है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भारत के खिलाफ है, उन्होंने भारत के खिलाफ 51.28 की औसत से 1,077 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं तथा उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 रन है।

महिला क्रिकेटरों स्नेह राणा, प्रतीका रावल ओर रेणुका सिंह का हुआ प्रमोशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने 2025 विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीन खिलाड़ियों स्नेह राणा, प्रतीका रावल और रेणुका सिंह ठाकुर को प्रमोशन दिया है। रेलवे ने इन तीनों को ही आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन देते हुए ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी- स्पोर्ट्स) के पद पर नियुक्त किया है। इन तीनों खिलाड़ियों को अब ग्रुप बी गजेटेड ऑफिसर के बराबर वेतन और सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) की इस पहल से महिला क्रिकेटरों को न केवल आर्थिक सुरक्षा मिलेगी बल्कि प्रशासनिक जिम्मेदारी भी मिलेगी।

गौरतलब है कि महिला क्रिकेट विश्व कप का आयोजन इस बार भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुआ था। इसके खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता था।

राणा सहित तीनो ही क्रिकेटरों ने इस सम्मान और प्रमोशन के लिए रेलवे का आभार जताते हुए कहा है कि इससे उनको और बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। राणा को

राणा हाल ही में महिला प्रीमियर लीग नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया। गत सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने के बाद राणा अब जेमिमा रोड्रिग्स और शैफाली वर्मा के साथ कैपिटल्स की ओर से खेलती नजर आयेंगी।

वैभव सूर्यवंशी की नाबाद शतकीय पारी बेकार गई, महाराष्ट्र के खिलाफ हारा बिहार

कोलकाता (एजेंसी)। प्रतिभावान बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 61 गेंद में नाबाद 108 रन की पारी के बावजूद बिहार को मंगलवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में महाराष्ट्र के खिलाफ तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर बिहार ने 14 साल के सूर्यवंशी की नाबाद पारी से तीन विकेट पर 176 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और सात छक्के मारे और टूर्नामेंट के इतिहास में शतक जड़ने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। इसके जवाब में महाराष्ट्र ने कप्तान पृथ्वी साव की 30 गेंद में 66 रन की पारी के अलावा नीरज जोशी(30), रंजीत निकम (27) और निखिल नाईक (22) की पारियों से पांच गेंद शेष रहते सात विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की। मोहम्मद इजहार (22 रन पर दो विकेट) और सकीबुल गनी (50 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाकर बिहार को मैच में बनाए रखा लेकिन महाराष्ट्र ने अंतत: धैर्य बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। इससे पहले सूर्यवंशी ने सात छक्के जड़ बिहार की ओर से टी20 पारी में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने आयुष लोहारुका (नाबाद 25) के साथ चौथे विकेट के लिए 75 रन जोड़े। सूर्यवंशी ने अंतिम ओवर में अर्शिन कुलकर्णी पर चौके के साथ शतक पूरा किया। जाधवपुर यूनिसर्विटी मैदान पर गोवा ने मध्य प्रदेश को सात विकेट से हराया। मध्य प्रदेश के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गोवा ने सुयश प्रभुदेसाई (नाबाद 75) और अभिनव तेजराणा (55) के अर्धशतक से 18.3 ओवर में तीन विकेट पर171 रन बनाकर जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश ने इससे पहले हरप्रीत सिंह के 80 रन की बदौलत छह विकेट पर 170 रन बनाए।

आईपीएल2026 नीलामी: 2 करोड़ बेस प्राइस पर ग्रीन, लिविंगस्टोन; वेंकटेश-बिश्नोई लिस्ट में, मैक्सवेल क्यों नहीं?

मुम्बई (एजेंसी)। कैमरून ग्रीन, लियाम लिविंगस्टोन, रवि बिश्नोई, वेंकटेश अय्यर और मथीशा पथिराना उन 45 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में 2 करोड़ रुपये के उच्चतम आधार मूल्य के साथ प्रवेश किया है। कुल 1,355 खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है और 30 नवंबर को पंजीकरण बंद होने के बाद सोमवार को फ्रेंचाइजी के साथ साझा किया। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अधिकतम 25 खिलाड़ियों की टीम बनाने की अनुमति है और इस साल 77 स्थान उपलब्ध हैं, जिनमें 31 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं।

आईपीएल सभी दस टीमों से इच्छा सूची प्राप्त करने के बाद इस सूची को छोटा करेगा। 16 दिसंबर को अबू धाबी में दिन भर चलने वाली नीलामी से पहले, फ्रेंचाइजी को अपनी शॉर्टलिस्ट जमा करने के लिए 5 दिसंबर तक का समय दिया गया है। भारतीय खिलाड़ियों में, प्रमुख भूमिकाओं में विशेषज्ञ खिलाड़ी बड़ी बोलियां आकर्षित कर सकते हैं, लेकिन सुर्खियाँ ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर टिकी हैं, जिन्होंने पीठ की चोट के कारण 2025 की मेगा-नीलामी को छोड़ दिया था। जिन टीमों के मजबूत रुचि दिखाने की उम्मीद है, उनमें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) (64.3 करोड़ रुपये का पर्स) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) (43.4 करोड़ रुपये) शामिल हैं, दोनों के पास स्वस्थ बजट हैं।

केकेआर, विशेष रूप से वेस्टइंडीज के टी20 दिग्गज आंद्रे रसेल के हाल ही में आईपीएल से संन्यास लेने के बाद, ग्रीन पर आक्रामक रूप से काम कर सकता है। ग्रीन की बहुमुखी प्रतिभा, वह क्रम में कहीं भी बल्लेबाजी कर सकते हैं, सीम-अप गेंदबाजी कर सकते हैं, और क्षेत्ररक्षण में भारी योगदान दे सकते हैं, उन्हें इस साल सबसे अधिक मांग वाले नामों में से एक बनाता है। केकेआर ने वेंकटेश अय्यर सहित नौ खिलाड़ियों को रिलीज़ किया, जिनकी कीमत उन्हें पिछले साल की मेगा-नीलामी में 23.5 करोड़ रुपये लगी थी। अब उनके पास भरने के लिए 12 स्थान हैं, जिनमें छह विदेशी शामिल हैं। पांच बार की चैंपियन सीएसके में नौ रिक्तियां हैं, जिनमें से चार विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं।

इस नीलामी से पहले रिलीज़ किए गए कई खिलाड़ियों ने 2 करोड़ रुपये की शीर्ष मूल्य सीमा को चुना है। इसमें श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी शामिल हैं, जिन्हें सीएसके ने पिछले साल 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, लेकिन डेथ ओवरों के विशेषज्ञ के रूप में उनकी कीमत के बावजूद, चोट से जूझने के बाद रिलीज़ कर दिया था। इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन, जिन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 8.75 करोड़ रुपये में खरीदा था, भी एक निराशाजनक सीज़न के बाद खुद को पूल में वापस पाते हैं।

भारतीय खिलाड़ियों में, वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई, दोनों ने खुद को 2 करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर सूचीबद्ध किया है। बिश्नोई, जिन्हें पिछले साल लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, को फ्रैंचाइज़ी के साथ चार सीज़न बिताने के बाद जाने दिया गया। इस लंबी सूची में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का नाम शामिल नहीं है। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने पिछले सीज़न में उन्हें 4.2 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन अब 37 वर्षीय मैक्सवेल की 2025 सीज़न के बीच में उंगली में फ्रैक्चर हो गया और उनकी जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिशेल ओवेन को शामिल किया गया है, जिन्हें रिटेन किया गया है।

शास्त्री बोले, गंभीर की जगह मैं होता तो हार की पूरी जिम्मेदारी लेता

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टेस्ट क्रिकेट में टीम के खराब प्रदर्शन पर निराशा जतायी है । शास्त्री के अनुसार टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने से कोच कोच गौतम गंभीर बच नहीं सकते । कोच के अलावा टीम के खराब प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी भी जिम्मेदार हैं क्योंकि जिस प्रकार से लगातार विकेट गिरे उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता । जहां तक विकेट को स्पिनरों से अधिक

सहायता मिलने की बात है । उसका भी बहाना नहीं चलेगा क्योंकि हम शुरुआत से ही ऐसे ट्रैक पर खेलते रहे हैं । 2012 से 2024 तक घरेलू धरती पर एक भी सीरीज नहीं हारने वाली भारतीय टीम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद 2 घरेलू सीरीज हारी है । उसे पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से हराया । वहीं अब दक्षिण अफ्रीका ने 2-0 से पराजित किया है । शास्त्री ने कहा कि अगर ये उनके साथ होता तो वह सारी जिम्मेदारी स्वयं ले लेते । उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में जिस प्रकार 100 रन पर एक विकेट से 130 रन पर 7 विकेट गिरे हैं । ये टीम खराब भी नहीं है । उनके पास बहुत प्रतिभा है । खिलाड़ियों को भी कुछ जिम्मेदारी लेनी चाहिए । आप क्रिकेट खेलने की जब शुरुआत करते हैं, तब से स्पिन खेले हैं ।' जब ने उनसे ये पूछा कि क्या वह मुख्य कोच गंभीर का बचाव कर रहे हैं, तब शास्त्री ने कहा, मैं (उनका) बचाव नहीं कर रहा । सौ फीसदी वह भी जिम्मेदार हैं । शास्त्री जब कोच थे तब विराट कोहली टीम के कप्तान थे । उस समय भारतीय टीम घर में हराने और सीरीज जीतने की ताकत रखती थी । शास्त्री-कोहली के समय में भारतीय टीम अपनी धरती पर केवल दो टेस्ट हारी थी । शास्त्री भारत के सबसे सफल कोच में से एक हैं । उनके कार्यकाल में 2017 से 2021 तक भारत का टेस्ट में जीत का रिकार्ड 65 का रहा था ।

लंबी अवधि के प्रारूप मुझे रास आते हैं, विकेटों के बीच दौड़ने पर कोहली से सलाह लेता हूं : तिलक वर्मा

मुम्बई । भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को लंबे प्रारूपों में खेलना रास आता है और वह विराट कोहली से फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह ले रहे हैं ताकि आने वाले मौकों का पूरा फायदा उठा सकें । तेइस वर्षीय इस खिलाड़ी ने अब तक सिर्फ चार वनडे खेले हैं जबकि उन्हें टेस्ट टीम में मौका मिलने का इंतजार है । उन्होंने

कहा कि मौजूदा वनडे श्रृंखला में टीम में कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की मौजूदगी से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। तिलक ने 'जियोस्टार' से कहा, '' वनडे और टेस्ट क्रिकेट मेरे खेल के मुताबिक है और मैं इसका अधिक लुत्फ उठाता हूं । मैं और वनडे खेलने के लिए उत्साहित हूं । जब रोहित भाई और विराट भाई एक ही टीम में होते हैं, तो आत्मविश्वास का स्तर बिल्कुल अलग होता है ।'' उन्होंने रोहित और कोहली की तारीफ करते हुए कहा, ''उनके पास अपार अनुभव और ज्ञान है । मैं बेहतर होने के लिए उनसे ज्यादा से ज्यादा सलाह लेने की कोशिश करता हू ।' इस युवा वामहस्त बल्लेबाज ने कहा कि वह कोहली से खास तौर पर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह लेते रहे हैं क्योंकि वह इस मामले में वह उत्कृष्टता हासिल करना चाहते हैं । तिलक ने कहा, ''मैं विराट भाई से काफी बात करता हूं, खासकर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में उनकी सलाह लेता हूं । मुझे भी दौड़ना पसंद है और मुझे लगता है कि इस मामले में मैं काफी तेज हूं । '' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला के बारे में तिलक ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुझे जब भी मौके मिलेंगे, मैं उन मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहूंगा । मैं वनडे और टेस्ट में भी खुद को साबित करना चाहता हूं ।

जूनियर महिला वर्ल्ड कप : भारत की नामीबिया पर बड़ी जीत, 13-0 से हराया

सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)। भारतीय टीम ने पूल सी के अपने पहले मैच में नामीबिया को 13-0 से रौंद कर महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड एस्टाडियो नैशनल में खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम के लिए कनिका सिवाच ने (12वें, 30वें, 45वें) मिनट और हिना बानो (35वें, 35वें, 45वें) मिनट में शानदार हैट्रिक लगाकर स्कोरिंग में सबसे आगे रहीं, जबकि साक्षी राणा ने (10वें, 23वें) मिनट में दो गोल किए।

भारत के शानदार प्रदर्शन में बिनिमा धन ने (14वें), सोनम ने (14वें), साक्षी शुक्ला ने (27वें), इशिका ने (36वें), और मनीषा ने (60वें) मिनट में एक-एक गोल किया। भारत ने शुरू में ही लय बना ली और विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। 10वें मिनट में सफलता मिली जब साक्षी राणा ने एक तेज रिवर्स फ्लिक से गोल किया। कनिका सिवाच ने जल्द ही एक जबरदस्त फिनिश के साथ अपना दूसरा गोल किया। इससे पहले बिनिमा धन और सोनम के तेज स्ट्राइक ने पहले क्वार्टर के आखिर तक स्कोर 4-0 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी एकतरफा मुकाबला जारी रहा जब राणा ने अपना दूसरा गोल किया, और साक्षी शुक्ला ने पेनल्टी-कॉर्नर ड्रैगफ्लिक को गोल में बदला। सिवाच ने हाफ-टाइम से ठीक पहले एक और गोल करके बढ़त को 7-0 कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में भी उसी लय के साथ शुरुआत की। हिना बानो ने जल्दी-जल्दी दो गोल किए, जिसमें एक टॉप-कॉर्नर फिनिश भी शामिल था, इसके बाद इशिका ने एक रिबाउंड पर गोल करके स्कोर डबल-डिजिट तक पहुंचाया।

बानो ने पेनल्टी-कॉर्नर डिफ्लेक्शन से अपनी हैट्रिक पूरी की और सिवाच ने कुछ ही पल बाद अपनी हैट्रिक पूरी करके स्कोर को आखिरी क्वार्टर में 12-0 कर दिया। कई रोटेशन के बावजूद, भारत का दबदबा बना रहा और मनीषा के आखिरी पेनल्टी-कॉर्नर पर किए गए गोल ने 13-0 की जीत पूरी की। भारतीय टीम बुधवार को अपने अगले ग्रुप-स्टेज मैच में जर्मनी भिड़ेगी।

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से खिलाड़ियों को लाभ होगा : लवलीना बोरगोहेन

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने कहा है कि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी से उभरते हुए खिलाड़ियों को लाभ होगा । बोरगोहेन ने मेजबानी मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे युवा प्रतिभाओं को खेलों में आगे बढ़ने और वैश्विक मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रेरणा मिलेगी । साथ ही कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ता है । भारतीय मुक्केबाज़ ने कहा कि यह देश के लिए एक अच्छा है क्योंकि जब देश में कोई बड़ी प्रतियोगिता होती है, तो खिलाड़ियों को और भी अवसरा मिलते हैं । यह गुजरात में आयोजित होगा, इसलिए वहां के खिलाड़ियों को विशेष लाभ होगा । इससे पहले भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन होगा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 100वें राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी के अधिकार मिलने पर प्रशंसा करते हुए कहा कि देश की सामूहिक प्रतिबद्धता ने वैश्विक खेल मंच पर भारत का स्थान मज़बूती से स्थापित किया है । बररहाल खिलाड़ी इन खेलों की तैयारियों को शुरु करने लगे हैं । निशानेबाज सरबजोत सिंह ने कहा कि 2030 में होने वाले इन खेलों को लेकर वह उत्साहित है । उन्होंने कहा कि यह ये खेल अहमदाबाद में आयोजित होगी, जिसमें खिलाड़ियों को अच्छी सुविधा मिल जाएगी । उन्होंने कहा कि इन खेलों में देश को कई पदक मिलना तय है । उन्होंने बताया कि वह हर दिन चार से पांच घंटे अभ्यास कर रहे हैं । वहीं हाल में कजाकिस्तान में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में रजत पदक विजेता आदित्य मालरा ने कहा है कि देश में राष्ट्रमण्डल खेलों को लेकर काफी उत्साह है, क्योंकि पहले भारत के खिलाड़ी बाहर इन खेलों को खेलने जाया करते थे, लेकिन अब बाहर विदेशों के खिलाड़ियों को भी भारत में यह खेल खेलने का अवसर मिल रहा है । मिलेगा ।

38 की उम्र में रोहित की आक्रामक पारी देखकर हैरान हैं इरफान पठान

मुम्बई । पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में आकामक बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने के लिए सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है । रोहित ने पहले ही एकदिवसीय में शानदार पारी के साथ ही दिखाया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट बचा है । टेस्ट और टी20 से संन्यास लेने के बाद रोहित की यह पारी दिखाती है कि उनका फार्म अब भी बरकरार है । इसी को लेकर पठान ने कहा कि 38 साल की उम्र में जिस प्रकार से रोहित ने बल्लेबाजी की है । उससे उनकी फार्म का अंदाजा होता है । पठान ने कहा, रोहित अपने करियर के सबसे अच्छे दौर में दिख रहे हैं । वह 38 साल के हो गये ये लगता ही नहीं है । उन्होंने फिटनेस में काफी सुधार किया है पर जिस तरह उन्होंने हालातों को देखकर बल्लेबाजी की है । उससे अंदाजा होता है कि वह किस मानसिकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं । रोहित ने इस मैच में एक और बड़ा विश्व रिकॉर्ड बनाया है । उन्होंने तीन छक्के लगाकर एकदिवसीय में तेजी से अपनी 350 छक्के पूरे किये हैं ।

SMAT: हार्दिक पांड्या की पेशेवर क्रिकेट में धमाकेदार वापसी, ठोका शानदार अर्धशतक, बड़ौदा जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय बाद पेशेवर क्रिकेट में लौटे हार्दिक पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT) में आते ही ऐसा प्रभाव छोड़ा कि पूरे भारतीय क्रिकेट जगत की नजरें उनकी ओर टिक गईं। हैदराबाद में खेले गए इस मुकाबले में हार्दिक ने सिर्फ 42 गेंदों पर नाबाद 77 रन ठोककर बड़ौदा को पंजाब पर यादगार जीत दिला दी। यह पारी न सिर्फ उनकी बल्लेबाजी की पुरानी चमक को दर्शाती है, बल्कि उनके ऑलराउंड कौशल का भी शानदार उदाहरण है। उनकी यह वापसी आने वाले दिनों में भारतीय टीम संयोजन के लिए भी बड़े संकेत देती है।

हार्दिक की आतिशी पारी ने पलटा मैच का मोमेंटम

बड़ौदा के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपनी वापसी मैच को एक विशेष मौके में बदल दिया। 42 गेंदों में नाबाद 77 रन की तूफानी पारी में सात चौके और चार छक्के शामिल थे। उनकी बैटिंग में वही पुरानी ताकत, टाइमिंग और मैच को हाथ में लेने की क्षमता साफ दिखाई दी। पारी की शुरुआत ठंडी थी, लेकिन हार्दिक ने आते ही रफ्तार पकड़ी और पंजाब बॉलिंग अटैक की लाइन-लेथ को पूरी तरह हिला दिया। एक समय मुश्किल लग रहा लक्ष्य हार्दिक की आक्रामक बल्लेबाजी से बेहद आसान हो गया।

शिवालिक शर्मा के साथ 101 रन की गेम-चेंजिंग पार्टनरशिप

हार्दिक के दमदार प्रदर्शन का सबसे अहम हिस्सा रहा शिवालिक शर्मा के साथ उनकी 101 रन की साझेदारी। शिवालिक ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए और बेहद समझदारी से रिटायर्ड आउट होकर हार्दिक को एंड पर स्ट्राइक रखने का मौका दिया।

इस साझेदारी ने मैच का पूरा रूख

बदल दिया और बड़ौदा को अंत में मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टीम को आखिरी 15 गेंदों पर 30 रन चाहिए थे, लेकिन नए बल्लेबाज जितेश शर्मा के आने के बाद चीजें और आसान हो गईं।

बड़ौदा का दबदबा

जितेश शर्मा ने आते ही तेजी से रन जोड़े और हार्दिक का शानदार साथ निभाया। केवल 9 गेंदों में बड़ौदा ने जरूरी रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। लक्ष्य भले ही बड़ा लग रहा था, लेकिन हार्दिक की शानदार टाइमिंग और आक्रामक अंदाज ने पंजाब की गेंदबाजी को बेअसर कर दिया।

हार्दिक का गेंदबाजी प्रदर्शन : महंगा लेकिन प्रभावी

बल्लेबाजी के अलावा हार्दिक ने गेंद से भी योगदान दिया। हालांकि उनका चार ओवर का स्पेल थोड़ा महंगा रहा (52 रन), लेकिन उन्होंने 1 विकेट चटकाया। उनकी गेंदबाजी की लय अभी पूर्ण रूप से लौटती नहीं दिखी, लेकिन वापसी मैच को देखते हुए यह प्रयास सराहनीय माना जा रहा है। आने वाले मुकाबलों में वे और बेहतर लय में लौट सकते हैं।

पंजाब की तेज शुरुआत भी नहीं दिला सकी जीत

पंजाब की ओर से अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 19 गेंदों में फिफ्टी लगाकर शानदार शुरुआत दी। उनके अलावा अनमोलप्रीत सिंह ने 32 गेंदों में 69 रनों की दमदार पारी खेली। इन दोनों की तेज बल्लेबाजी से पंजाब का स्कोर मजबूत दिख रहा था, लेकिन उनकी गेंदबाजी हार्दिक और शिवालिक की साझेदारी को रोक नहीं पाई।

ग्रुप सी की स्थिति, गुजरात शीर्ष पर

इस जीत के बाद ग्रुप सी में बड़ौदा और पंजाब दोनों के दो-दो मैच पूरे हो चुके हैं। वहीं गुजरात चार मैचों में तीन जीत के साथ ग्रुप में सबसे आगे है। हार्दिक की यह वापसी न सिर्फ बड़ौदा के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए भी एक बड़ा सकारात्मक संकेत है, जो उन्हें फिर से अपने पुराने अंदाज में देखने के लिए उत्सुक थे।

इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के लिए घोषित की टीम, वुड की जगह जैक्स को शामिल किया

ब्रिसबेन। इंग्लैंड ने गुरुवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां शुरु हो रहे दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम में बदलाव करते हुए तीन साल से टीम से बाहर चल रहे स्पिन ऑलराउंडर विल जैक्स को चोटिल मार्क वुड की जगह शामिल किया है। दूसरा टेस्ट मैच 4 दिसंबर से गाबा मैदान में खेला जाएगा। यह इंग्लैंड की टीम में एकमात्र बदलाव है। पर्थ में पहले टेस्ट में मिली हार के बाद इंग्लैंड ने एक स्पिनर को भी रखने का फैसला किया है। जैक्स को शुएब बशीर पर इसलिए वरीयता दी गयी है क्योंकि वह बल्लेबाजी भी अच्छी करते हैं। जैक्स ने इससे पहले इंग्लैंड के लिए दो टेस्ट मैच खेले हैं और 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में पांच विकेट लिए थे।

इंग्लैंड टीम इस प्रकार है : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्राइडन कार्स, जोफा आर्चर।

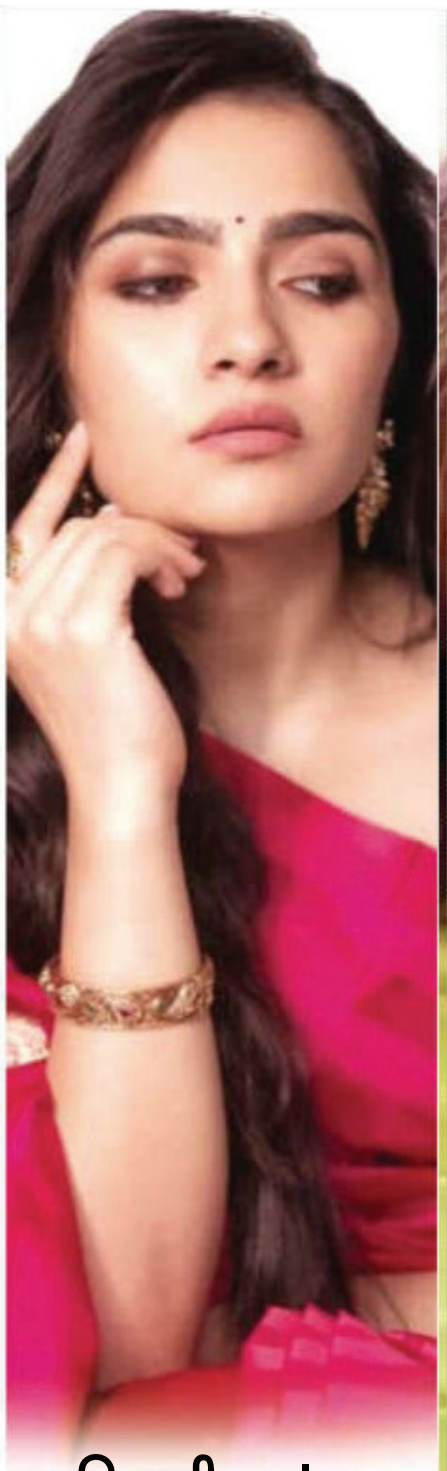

दिल्ली क्राइम 3 की सफलता का लुत्फ उठा रही शेफाली शाह

एक्ट्रेस शेफाली शाह हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 की सफलता का आनंद उठा रही हैं। दर्शक उनकी दमदार अदाकारी की सराहना कर रहे हैं। इस कड़ी में शेफाली ने दर्शकों का आभार जताया। शेफाली शाह ने कहा, मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में ऐसे रोल मिले, जिन्होंने न सिर्फ मुझे चुनौती दी, बल्कि दिल की गहराइयों को भी छुआ। दिल्ली क्राइम का गंभीर किरदार, डार्लिंग्स में निभाया गया जटिल रोल और करियर की शुरुआती फिल्म सत्या के अनुभव... इन सभी ने मेरे अभिनय को नई दिशा दी। इन भूमिकाओं को दर्शकों से जितना प्यार मिला, वह मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। हर किरदार ने मुझे एक अलग तरह से बदला, एक कलाकार के रूप में संवारा और यह सफर मेरे लिए बेहद सीखने का अवसर रहा। उन्होंने कहा, जब मैं अपने सफर के बारे में बात करती हूं, तो मुझे हमेशा याद आता है कि मैंने स्टोरीटेलिंग से प्यार क्यों किया था। मेरे लिए अभिनय सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो लगातार सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। जब दर्शक मेरे अभिनय को समझते हैं, महसूस करते हैं और उसकी सराहना करते हैं, तो यह एक कलाकार के तौर पर बहुत भावुक और संतोष देने वाला अनुभव होता है। बता दें कि आईएफपी महोत्सव में हर साल बॉलीवुड के जाने-माने कलाकार, निर्देशक और उद्योग विशेषज्ञ वक्ता, मेंटर्स और जजों के रूप में शामिल होते हैं। यह नए और स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं, लेखकों और कंटेंट क्रिएटर्स को अपना काम दिखाने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करता है। यहां से कई उभरते हुए टैलेंट को बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफार्मों में काम करने का मौका मिलता है। शेफाली ने कहा कि आईएफपी ने ऐसा माहौल बनाया है जहां कलाकार और दर्शक एक-दूसरे से ईमानदारी के साथ जुड़ते हैं। यह मंच क्रिएटर्स को न सिर्फ अपनी कला दिखाने का अवसर देता है, बल्कि विचारों का ऐसा खुला आदान-प्रदान करवाता है जो उन्हें और भी बेहतर बनाने में मदद करता है।

रुक्मिणी वसंत का सीक्रेट माइंड मैजिक जो उन्हें जमीन पर टिकाए रखता है!

तेज़ रफ्तार शेड्यूल, लगातार सफ़र और हर दिन नई-नई चुनौतियाँ — एक उभरती अभिनेत्री की ज़िंदगी बाहर से जितनी ग्लैमरस दिखती है, अंदर उतनी ही तूफ़ानी हो सकती है। लेकिन रुक्मिणी वसंत ने इस तूफ़ान के बीच अपनी शांति ढूंढ़ ली है — एक बेहद सरल, बेहद निजी और चौंकाने वाला रिचुअल - जर्नलिंग। हाँ, डायरी में लिखना — वही पुरानी आदत, जिसे हममें से कई लोग छोड़ चुके हैं — यही रुक्मिणी की सबसे बड़ी सुपरपावर है। चाहे दिन कितना भी भागमभाग वाला हो, चाहे सेट पर कितने भी सीन हों, चाहे सफ़र कितना भी लंबा हो, रुक्मिणी रात को अपनी डायरी के पन्नों से ज़रूर मिलती हैं। यह उनका तरीका है खुद से दोबारा जुड़ने का, मन के शोर को शांत करने का और ज़िंदगी को एक साफ़ नज़र से देखने का। वह इस रिचुअल पर खुलकर कहती हैं, जर्नलिंग वही जगह है जहाँ मैं रुककर खुद को देख पाती हूँ। मैं अपनी पुरानी डायरीज़ खूब पढ़ती हूँ — वो नज़रिया देती हैं। बिर्बल से पहले की मेरी चिंता, ड्रामा स्कूल के दिनों की उलझनेंज आज से इतनी अलग, पर उतनी ही सच्ची। इससे समझ आता है कि जो आज बड़ा तूफ़ान लग रहा है, कुछ साल बाद वही हल्की सी हवा जैसा।

कीर्ति सुरेश ने सुनाई व्यथा

कहा- लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस और नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं कीर्ति सुरेश ने अब एक्टर्स के काम के घंटों पर नई बहस छेड़ दी है। दसारा और बेबी जॉन की एक्ट्रेस ने दीपिका पादुकोण के 8 घंटे काम की मांग के महीनों बाद कहा है कि 8 घंटे काम करने के दौरान भी, एक एक्टर को सोने के लिए जरूरी समय नहीं मिल पाता है। हैदराबाद में अपनी अगली फिल्म रिवॉल्वर रीटा के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा कि कम घंटे काम करने के आइडियल सिनेरियो में भी एक एक्टर को महज 6 घंटे की ही नींद मिलती है। दिग्गज फिल्ममेकर-एक्टर जी. सुरेश कुमार की बेटी कीर्ति ने कहा, सुबह 9 बजे की शिफ्ट के लिए, अगर मुझे सुबह 7.30 बजे तक वहां पहुंचना है, तो मुझे सुबह 6.30 बजे घर से निकलना होगा और सुबह 5.30 बजे तक उठना होगा। शाम को लगभग 6 या 6.30 बजे पैक-अप के बाद, घर वापस जाना पड़ता है, कपड़े बदलने पड़ते हैं, एक्सरसाइज करनी पड़ती है, डिनर करना पड़ता है, और सोने के लिए जरूरी घंटे निकालने के लिए स्ट्रगल करना पड़ता है।

कीर्ति सुरेश ने आगे कहा, अब, मुझे रात 11.30 बजे सोने के बाद सुबह 5:30 बजे फिर उठना पड़ता है। कीर्ति ने बताया कि कैसे आठ घंटे की वर्क शिफ्ट, जिसे एक आइडियल सिनेरियो माना जाता है, उसमें भी सोने का समय मुश्किल से ही शामिल होता है, जबकि एक एडल्ट बॉडी के लिए आइडियल जरूरत आठ घंटे की नींद है। उन्होंने कहा, हम कहते हैं कि आठ घंटे की नींद अच्छी है, लेकिन हम मुश्किल से छह घंटे सो पाते हैं। यह एक आइडियल 9 बजे से 6 बजे तक की शिफ्ट में है। कीर्ति सुरेश बोलीं- लाइटमैन तो 2-3 घंटे ही सो पाते हैं साल 2018 में महानति के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पा चुकीं कीर्ति ने बताया कि हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर 12 घंटे की शिफ्ट होती है। उन्होंने सिर्फ एक्टर्स ही नहीं, बल्कि फिल्म के क्रू मेंबर्स खासकर लाइटमैन की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, केरल में लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं। हालांकि, नींद भी खाने या एक्सरसाइज जितनी ही जरूरी है। ये वो साथी हैं, जो सेट पर एक्टर्स से भी पहले पहुंचते हैं।

विजय सेतुपति और निर्देशक पुरी जगन्नाथ की पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग हुई पूरी

साउथ एक्टर विजय सेतुपति इन दिनों साउथ निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म में काम कर रहे हैं। आज फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई है। इसी मौके का एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुरी और विजय फिल्म के बारे में खास बातें करते नजर आ रहे हैं।

विजय काफी समय से निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, जो आज पूरी हो चुकी है। फिल्म के सेट से एक वीडियो पुरी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें फिल्म के आखिरी दिन के शूट को लेकर विजय बेहद उदास नजर आए। इस वीडियो में एक्ट्रेस चार्मी कौर वीडियो कॉल पर नजर आ रही हैं और दोनों से फिल्म को लेकर बातें कर रही हैं। चार्मी, विजय और पुरी का यह वीडियो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। पुरी और विजय ने फिल्म की शूटिंग के आखिरी दिन को लेकर कहा कि वे पहले से ही एक-दूसरे को मिस कर रहे हैं। फिल्म निर्माताओं का पोस्ट पुरी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस वीडियो को शेयर किया और कैप्शन में लिखा, Puri Sethupathi की फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। सेट पर कई महीनों की भावनात्मक और आनंदमय यात्रा के बाद, टीम ने फिल्म की पूरी शूटिंग खत्म कर ली है। जल्द ही कुछ रोमांचक अपडेट के लिए तैयार हो जाइए। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

विजय और पुरी की आने वाली फिल्म के बारे में

विजय सेतुपति की इस आगामी फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिका में अभिनेत्री संयुक्ता नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल 23 सितंबर, 2025 को रिलीज होना था, लेकिन कुछ वजहों से इसमें देरी हो गई। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है। इस फिल्म में विजय और संयुक्ता के अलावा तब्बू भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। वहीं ब्रह्माजी सहायक भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा 2025 में की गई थी और इसकी शूटिंग जून 2025 में शुरू हुई थी। इस फिल्म का निर्माण पुरी कनेक्ट्स और जेबी मोशन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। इस फिल्म का संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर ने तैयार किया है।

सफलता का मतलब शोहरत नहीं, बल्कि खुद को नए रूप में गढ़ने का साहस है

रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने अपनी बेहतरीन एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। छोटे शहर जमशेदपुर से बड़े पर्दे तक उनका सफर मेहनत, लगन और हिम्मत की कहानी है। 'मिर्जापुर', 'मंटो' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके दमदार किरदारों ने उन्हें अलग पहचान दी। हालांकि करियर के शुरुआती दौर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई प्रोड्यूसर्स ने कहा कि वे सेलेबल नहीं हैं, यहां तक कि एक डायरेक्टर ने उनसे असम्मानजनक व्यवहार भी किया था। लेकिन रसिका ने ऐसे लोगों से हमेशा दूरी बनाए रखी और अपने काम पर ध्यान दिया। किराया भरने की चिंता और बार-बार रिजेक्शन झेलने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। रसिका का मानना है कि सफलता का मतलब शोहरत नहीं, बल्कि हर दिन खुद को नए रूप में गढ़ने का साहस है।

मैंने ऐसे कभी नहीं सोचा था कि एक्टर ही बनना है, लेकिन जिसमें भी मुझे मौका मिलता, मैं वो बड़े मजे से करती थी। एक्टिंग को मैं आगे चलकर करियर बनाऊंगी, ये कभी नहीं सोचा था। न फैमिली में कोई ऐसा उदाहरण था सब बिजनेस लाइन से थे। कुछ लोग होते हैं ना, जो बचपन से एक्टर बनने का सपना देखते हैं और बाथरूम में शैंपू की बोतल पकड़कर अपनी विनिंग स्पीच दे रहे होते हैं, वैसा नहीं था मेरे साथ।

अनवर के बाद मुझे अनुराग कश्यप की फिल्म 'नो स्मोकिंग' मिली थी। जब मेरा सिलेक्शन हुआ, तो प्रोड्यूसर ने बुलाया और कहा कि आकर पैसों पर बात कर लो। मैं गई, तो उन्होंने पूछा, कितने पैसे लोगी? मैंने थोड़ी हिम्मत करके कहा कि प्रतिदिन 7500 रुपए। वो बोले, अरे, ये तो बहुत ज्यादा है, थोड़ा कम करो। घर आकर मैंने अपने दोस्त दीपक डोबरियाल को बताया, तो वो हंसने लगा और बोला, तूने इतना मांग भी लिया! फिर बात तय हुई और मुझे प्रतिदिन 5000 रुपए मिले। जबकि पहली फिल्म 'अनवर' के लिए तो सिर्फ 3000 रुपए प्रतिदिन मिले थे।

इंटीमेट सीन कहानी की जरूरत थी, सेंसशनलाइज नहीं किया गया

रसिका दुग्गल ने अपने एक्टिंग करियर में कई फिल्मों और वेब सीरीज में दमदार भूमिका निभाई है। खास करके वेब सीरीज मिर्जापुर में बीना त्रिपाठी की भूमिका ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। इस सीरीज में उनके इंटीमेट सीन की भी खूब चर्चा हुई। उस सीन के बारे में रसिका कहती हैं- वो सीन स्क्रिप्ट के पॉइंट ऑफ व्यू से जरूरी था। उसे जबरदस्ती या सेंसशनलाइज करने के लिए नहीं डाला गया था। पुनित कृष्ण जो राइटर हैं, उन्होंने हर किरदार को बहुत सेंसिटिवली बिल्ड किया था। रही बात इंटिमेट सीन की तो पुनित, गुरमीत और करण ने शूट से पहले मुझे हर शॉट के बारे में बताया। सेट पर कौन मौजूद होगा, क्लोज सेट रहेगा, ये सारी बातें पहले ही डिस्कस हो गई थीं, जो मेरे कंफर्ट के लिए जरूरी थीं। अब तो इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर आ गए हैं, लेकिन तब नहीं थे।

खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए

मेरे लिए सफलता का मतलब सिर्फ नाम या शोहरत नहीं है। मुझे तब लगता है कि कुछ हासिल किया है जब मैं अपना काम दिल से कर पाऊं और वो मुझे सच्ची खुशी दे। अगर हर दिन कुछ नया सीखने को मिले, कुछ नया खोजने को मिले, तो वही मेरे लिए सक्सेस है। मुझे लगता है कि इंसान को बार-बार खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए, क्योंकि वहीं से आगे बढ़ने की असली प्रेरणा मिलती है। और ऐसा तभी हो सकता है जब आप रिस्क लेने की हिम्मत रखें, डरने के बजाय नए अनुभवों को अपनाने की कोशिश करें।

दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर ने ब्लॉकबस्टर सी फील दी

मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट नंदिता दास की फिल्म मंटो से आया। उससे पहले इरफान खान और तिलोत्तमा के साथ किस्सा जैसी खास फिल्में कीं, पर मंटो ने नया रास्ता दिखाया। उस समय कई डायरेक्टर्स मुझे प्रोजेक्ट में लेना चाहते थे, लेकिन प्रोड्यूसर्स ने कहा- मैं सेलेबल नहीं हूं। फिर नंदिता ने मुझमें भरोसा जताया और मंटो में सफिया मंटो का रोल दिया। यही निर्णायक मोड़ रहा। उसके बाद दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर जैसे शो आए, जिसने बड़े ऑडियंस के सामने मेरी पहचान बनाई और ब्लॉकबस्टर सी फील दी।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में हो रहे अत्याचार पर ब्रिटिश सांसद ने जताई चिंता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश संसद में लेबर पार्टी के सांसद जॉन मैकडॉनेल ने बलूचिस्तान में मानवाधिकार स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने पाकिस्तानी बलों के जरिये सरकार समर्थित अपहरणों और ड्रोन हमलों पर ध्यान आकर्षित किया। मैकडॉनेल ने हाउस ऑफ कॉमन्स में तीन लिखित संसदीय प्रश्न और एक अर्ली डे मोशन दायर किया है।

फ्रांस : घर में लगी आग में दंपती समेत पांच लोगों की मौत

पेरिस, एजेंसी। पूर्वी फ्रांस के एक कस्बे में आग लगने से एक घर में मौजूद पांच लोगों की मौत हो गई। म्यूर्थ-ए-मोसेले विभाग ने रविवार को बताया कि न्यूवेस-मैसंस शहर में लगी आग पर काबू पाने के लिए रातभर 70 दमकलकर्मी व लगभग 40 वाहनों को तैनात किया गया था। उन्होंने बताया कि धुएं के कारण सांस लेने में परेशानी महसूस करने वाले छठे व्यक्ति का इलाज किया जा रहा है। वह खतरे से बाहर है। पीड़ितों में दंपती और 17 से 20 वर्ष की आयु के तीन युवा शामिल थे।

चीन में रिकॉर्ड 37 लाख लोगों ने दी सिविल सेवा की परीक्षा

बीजिंग, एजेंसी। चीन में रविवार को 37 लाख से अधिक लोगों ने राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा दी। चीन में सिविल सेवा के लिए उम्र सीमा को 35 साल से अधिक बढ़ाने के बाद यह पहली राष्ट्रीय परीक्षा थी। यह रिकॉर्ड संख्या देश में बढ़ती बेरोजगारी और सरकारी नौकरियों की मांग को दर्शाती है। राज्य संचालित समाचार एजेंसी ने बताया कि इस परीक्षा में औसतन प्रति सीट 98 आवेदक प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इन रिक्तियों में से लगभग 70 प्रतिशत कॉलेज के नए स्नातकों के लिए आरक्षित हैं।

सीरिया में लोकतंत्र अभी दूर, पर सुधार अच्छा : एमनेस्टी इंटरनेशनल

दमिश्क़, एजेंसी। गैर सरकारी वैश्विक मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने शनिवार को कहा कि सीरिया में नई सरकार ने सुधारों और संक्रमणकालीन न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है, लेकिन लोकतंत्र की कमी अभी भी है। बशर असद की सरकार गिरने के एक साल बाद कैलामार्ड का कहना है कि कानूनी सुधार योजनाओं और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूहों का स्वागत होना सकारात्मक संकेत है।

ताइवान : चीनी सेना के 25 विमानों ने क्रॉस की मध्य रेखा

ताइपे , एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उनके क्षेत्र के आसपास चीन के पीएलए के 27 विमानों, 11 नौसैनिक जहाजों और तीन सरकारी जहाजों को देखा गया। एमएनडी के अनुसार, 27 विमानों में से 25 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। इन विमानों में शेनयांग जे-16 और भारी बॉम्बर शियान एच-6 शामिल थे। एमएनडी ने कहा कि वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जवाब दे रहे हैं। ताइवान ने कहा कि चीन जापान के साथ तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों के बेस में घुस गए हमलावर, खुद को बम से उड़ाया ; तीन मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 24 घंटे के अंदर ही कम से कम सात धमाके हुए। वहीं बलूचिस्तान के नोकुंडी में फ्रंटियर कॉर्प्स के हेडक्वार्टर के गेट पर फिदायीन हमला किया गया। हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया। इसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। प्रशासन का कहना है कि यह हमला तहरीक-ए-तालिबान ने किया है। पाकिस्तान के अर्द्धसैनिक बलों के हेडक्वार्टर पर हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन में तीन हमलावरों को मार गिराने का दावा किया गया है। बलूचिस्तान साउथ के फ्रंटियर कॉर्प्स के मुताबिक हेडक्वार्टर के गेट पर ही जबरदस्त आवाज हुई। इसके बाद तुरंत सुरक्षाबलों ने अभइयान शुरू कर दिया। बताया गया कि कम से कम 6 हमलावर हेडक्वार्टर में दाखिल हुए थे। एफी के प्रवक्ता ने बताया कि जब तक सभी आतंकियों को मारा नहीं जाता, ऑपरेशन खत्म नहीं होगा। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक सुरक्षाबल हर कमरे की ठीक से जांच कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले पेशावर में फ्रंटियर कॉर्प्स के परिसर में फिदायीन हमला हुआ था जिसमें तीन की जान चली गई थी। वहीं क्वेटा में पैरामिलिट्री बेस में कार में हुए धमाके से भी इलाका दहल गया था। पाकिस्तान में बीते कुछ महीनों से इस तरह के हमले तेजी से बढ़े हैं। साभर में ही बलूचिस्तान में सैकड़ों पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। कई बार बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी हमलों की जिम्मेदारी ली है।

भारतीयों ने ही अमेरिका को सुपरपावर बनायाः एलन मस्क

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने रविवार को कई दिनों की अटकलों के बाद आखिरकार जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ के पॉडकास्ट पिपुल बाय डब्ल्यूटीएफ में साफ कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका को कुशल भारतीय प्रतिभाओं के आने से भारी लाभ हुआ है। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने आखिरकार वो बात बोल ही दी, जिसे सुनकर अमेरिका के अंदरूनी इमिग्रेशन-विरोधी गुटों के होश उड़ गए। जीरोधा के निखिल कामथ के पॉडकास्ट में मस्क ने साफ-साफ कहा कि अमेरिका को पिछले दशकों में जितना फायदा हुआ है, उसका बड़ा हिस्सा भारतीय टैलेंट की वजह से हुआ है। सत्या नडेला, सुंदर पिचाई जैसे लोग इसका जीता-जागता सबूत हैं। और तो और, जब एच1-बी वीजा को लेकर ट्रंप कैंप में घमासान मचा हुआ है, तब मस्क ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस प्रोग्राम का दुरुपयोग हुआ है, इसे ठीक करो, लेकिन बंद करोगे तो अमेरिका खुद अपनी सबसे बड़ी ताकत को मार डालेगा। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब हजारों भारतीयों का सदियों पुराना अमेरिकी सपना (ऊंची पढ़ाई, मोटी सैलरी वाली नौकरियां, बेहतर लाइफस्टाइल और तरक्की का वादा) सख्त होते वीजा नियमों और अचानक नीतिगत बदलावों की वजह से तेजी से फीका पड़ता दिख रहा है। मस्क ने कहा कि मेरा मानना है कि अमेरिका को यहां

आए टैलेंटेड भारतीयों से बहुत फायदा हुआ है। इस दौरान निखिल कामथ ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे सफल भारतीयों का उदाहरण दिया, जो दशकों से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के एच1-बी प्रोग्राम का समर्थन करने के कुछ ही दिन बाद रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने इसे धीरे-धीरे खत्म करने का बिल पेश कर दिया और दावा किया कि यह अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरियां छीन रहा है। ऐसे कदम भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए बड़ा खतरा हैं, क्योंकि एच1-बी उनके लिए ग्रीन कार्ड और फिर अमेरिकी नागरिकता का सबसे आम रास्ता रहा है। ट्रंप 2.0 सरकार में सरकारी दक्षता विभाग के हेड रहे मस्क ने कहा कि बाइडेन प्रशासन में बॉर्डर कंट्रोल नाम की कोई चीज नहीं थी। बिना बॉर्डर कंट्रोल के आप देश नहीं कहला सकते। बाइडेन के समय बड़े पैमाने पर अवैध इमिग्रेशन हुआ, जिससे नेगेटिव सिलेक्शन इफेक्ट पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि अगर अवैध तरीके से अमेरिका आकर ढेर सारे सरकारी लाभ मिल रहे हैं, तो आप गलत तरह के लोगों को आकर्षित करते हैं। यह एक गलत इंसेंटिव स्ट्रक्चर है। बॉर्डर कंट्रोल न होना बिल्कुल बेतुका था। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से पहले की इमिग्रेशन पॉलिसी पर बोलते हुए मस्क ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि आम अमेरिकी नागरिकों का यह डर बहुत वास्तविक है कि विदेशी टैलेंट उनकी नौकरियां छीन रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा अपना अनुभव यही है कि टॉप टैलेंट हमेशा कम पड़ता है। मुश्किल काम करवाने के लिए आपको असाधारण लोग चाहिए। कुछ कंपनियां इसे सिर्फ कॉस्ट का खेल बना देती हैं। अगर अमेरिकी नागरिक से आधे या उससे भी कम पैसों में कोई काम कर दे तो वे उसे हायर कर लेती हैं। स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्स जैसे अपने खुद के टॉप अमेरिकी कंपनियों का उदाहरण देते हुए मस्क ने कहा कि उनकी कंपनियां हमेशा बेस्ट टैलेंट ढूंढती हैं और उन्हें एवरेज से कहीं ज्यादा सैलरी देती हैं। इसलिए एच1-बी के दुरुपयोग को रोकना जरूरी है, लेकिन प्रोग्राम को पूरी तरह बंद करना सही नहीं। उन्होंने अंत में कहा कि हां, एच1-बी प्रोग्राम का कुछ कंपनियों ने दुरुपयोग किया है। खासकर कुछ आउटसोर्सिंग कंपनियों ने सिस्टम के साथ खेला है, उसे रोकना होगा। लेकिन मैं बिल्कुल इस बात से सहमत नहीं कि एच1-बी प्रोग्राम ही बंद कर देना चाहिए।

मस्क ने बताया- उनकी पत्नी को गोद लिया गया था : पॉडकास्ट के दौरान एलन मस्क ने कहा कि 'मुझे नहीं पता कि आप इस बारे में जानते हैं या नहीं, लेकिन मेरी पार्टनर शिवॉन आधी भारतीय हैं। मेरे और उसके एक बेटे का मध्य नाम शेखर है, जो चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है।' मस्क ने बताया कि उनकी पार्टनर शिवॉन जिलिस कनाडा में पली-बढ़ी हैं और जब वे एक छोटी बच्ची थीं, तब उन्हें गोद लिया गया था। शिवॉन जिलिस ने साल 2017 में मस्क की कंपनी न्यूरालिंक जॉइन की थी और वे फिलहाल कंपनी में डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस एंड स्पेशल प्रोजेक्ट्स के तौर पर काम कर रही हैं। शिवॉन ने येल यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की है।

नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से मांगा क्षमादान, अपने खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मुकदमे के बीच किया अनुरोध

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने चल रहे भ्रष्टाचार मुकदमे के बीच देश के राष्ट्रपति से आधिकारिक रूप से माफी मांगी है। यह कदम इस्राइल की राजनीति में बड़ा और असाधारण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से रविवार को जारी बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति कार्यालय के कानूनी विभाग को अपना माफी का आवेदन भेज दिया है। वहीं राष्ट्रपति कार्यालय ने इस आवेदन को 'असाधारण और दूरगामी असर वाला कदम' बताया है।

नेतन्याहू पर क्या हैं आरोप : बेंजमिन नेतन्याहू इस्राइल के इतिहास में पहले ऐसे मौजूदा प्रधानमंत्री हैं जिन पर भ्रष्टाचार का मुकदमा चल रहा है। उनके खिलाफ तीन बड़े मामलों में आरोप दर्ज हैं। इसमें धोखाधड़ी, भरोसे का उल्लंघन, रिश्वत लेना शामिल हैं। इन मामलों में आरोप है कि नेतन्याहू ने अमीर व्यापारियों और राजनीतिक समर्थकों से उपहार और फायदे लिए और बदले में उन्हें लाभ पहुंचाया। हालांकि, अब तक किसी भी मामले में उनकी दोष सिद्धि नहीं हुई है। वह लगातार सभी आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते रहे हैं।

नेतन्याहू का देशवासियों के लिए संदेश : इस्राइल के नागरिकों। मेरे खिलाफ जांच शुरू हुए लगभग दस साल हो गए हैं। इन मामलों में ट्रायल लगभग छह साल से चल रहा है और उम्मीद है कि यह कई और वर्षों

तक चलेगा। जैसे-जैसे कोर्ट में मेरे खिलाफ झूठी दलीलों को पूरी तरह से गलत साबित करने वाले बयान और सबूत सामने आ रहे हैं, और जैसे-जैसे यह साफ हो रहा है कि मेरे खिलाफ सबूतों का ढांचा गंभीर अपराध करते हुए बनाया गया था, मेरा निजी हित रहा है और रहेगा कि इस प्रोसेस को आखिर तक जारी रखा जाए जब तक कि मैं सभी आरोपों से पूरी तरह बरी न हो जाऊं। लेकिन सुरक्षा और राजनीतिक हकीकत, देश के हित, कुछ और ही चाहते हैं। इस्राइल देश बहुत बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है और उनके साथ-साथ खतरों को दूर करने के बहुत सारे मौके भी हैं। इन मौकों को पाने के लिए देश की एकता जरूरी है। ट्रायल का जारी रहना हमें अंदर से तोड़ रहा है। फूट डालने की यह कोशिश फूट को और बढ़ाती है। मुझे यकीन है, देश के कई और लोगों की तरह, कि ट्रायल का तुरंत खत्म होना आग को कम करने और उस बड़े मेल-मिलाप को बढ़ावा देने में बहुत मदद करेगा जिसकी हमारे देश को बहुत जरूरत है। मैंने इस मामले पर लंबे समय से बहस की है, लेकिन हाल ही में जो हुआ है।

भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद, नहीं प्रभावित होंगे संबंध: विदेश सलाहकार हुसैन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि वह भारत से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। लेकिन इस मुद्दे को नई दिल्ली के साथ द्विपक्षीय संबंधों में बाधा नहीं बनने देगा। ढाका में अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत हसीना को प्रत्यर्पित किए बिना बेहतर संबंधों की उम्मीद की जा सकती है तो हुसैन ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे (द्विपक्षीय) संबंध केवल एक मुद्दे पर अटके नहीं रहेंगे। हालांकि हुसैन ने कहा कि चूंकि हसीना अब एक घोषित अपराधी हैं, बांग्लादेश उनके जल्द से जल्द भारत से प्रत्यर्पण की उम्मीद करता है। हसीना के खिलाफ पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हिंसक प्रदर्शन हुआ था। जिस दौरान कई प्रदर्शनकारी मारे गए थे। कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पांच अगस्त 2024 को उनकी सरकार का पतन हो गया। इसके बाद हसीना ने भागकर भारत में शरण ली। इस साल 17 नवंबर को एक विशेष न्यायाधिकरण ने गैरहाजिर होने पर पूर्व प्रधानमंत्री को मृत्युंद की सजा सुनाई गई। इससे पहले बांग्लादेश की एक अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया था। ढाका में मोहम्मद यूनुस नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत भारत के साथ संबंधों के बारे में एक अन्य सवाल के जवाब में हुसैन ने कहा, भारत को नई वास्तविकताओं के साथ तालमेलन होने के लिए कुछ समय चाहिए। हालांकि सलाहकार ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ बेहतर संबंध रखना चाहेंगे, जो दोनों पक्षों के हितों पर आधारित हों। इससे पहले बुधवार को हुसैन ने कहा था कि भारत ने हसीना के प्रत्यर्पण के लिए पहले की गई मांग पर कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन ढाका अब नई दिल्ली से जवाब की उम्मीद करता है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने और पूर्व प्रधानमंत्री के दोषी ठहराए जाने के बाद 'स्थिति अब अलग है।

दित्वाह से श्रीलंका में अब तक 334 लोगों की मौत, भारतीय एयरफोर्स 104 भारतीयों को रेस्क्यू कर लाई वापस

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह से मची तबाही में अब तक कम से कम 334 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया के स्थानीय मीडिया ने डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर (डीएमसी) के हवाले से बताया कि 370 लोगों की अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इस बीच ऑपरेशन सागरबंधु के तहत भारतीय वायु सेना श्रीलंका के आपदाग्रस्त क्षेत्रों फंसे लोगों को रेस्क्यू कर रही है। भारतीय वायुसेना ने 40 श्रीलंकाई सैनिकों और 104 भारतीयों को रेस्क्यू किया। इस तूफान से कैंडी शहर में सबसे ज्यादा तबाही मची है। कैंडी में अब तक 88 मौतें हुई हैं, जबकि 150 लोग लापता बताए गए हैं। बादुल्ला में 71, नुवारा एलिया में 68 और मटाले में 23 लोगों की मौत हुई है। डेली मिरर ने डीएमसी के हवाले से बताया कि इस आपदा से देशभर के 309,607

परिवारों के 1,118,929 लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहां संपर्क पूरी तरह से बाधित हो गया है। इसकी वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में भी दिक्कतें आ रही हैं। भारतीय रेस्क्यू टीमें बाढ़ से प्रभावित समुदायों की मदद के लिए श्रीलंका एयर फोर्स, नेवी, आर्मी, और पुलिस के साथ तालमेल बैठाकर काम कर रही हैं। वहीं फर्स्ट रिस्पांडर (जो आपदा या इमरजेंसी के समय में सबसे पहले पहुंचकर प्रभावित लोगों को मदद पहुंचाते हैं) भी रेस्क्यू ऑपरेशन में अन्य टीमों के साथ कोऑर्डिनेशन कर लोगों को बचाने का काम कर रहे हैं। कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने जानकारी दी है कि श्रीलंका में फंसे 104 भारतीय नागरिकों के आखिरी बैच को सोमवार को निकालकर घर वापस लाया गया। भारतीय हाई कमीशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कोलंबो के बंदरनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे भारतीय यात्रियों का आखिरी बैच घर पहुंच गया है। 104 फंसे हुए भारतीय आज सुबह करीब 6.30 बजे भारतीय वायु सेना के विमान से तिरुवनंतपुरम पहुंचे।' लोगों को निकालने के साथ-साथ भारत ने श्रीलंका में बचाव और राहत अभियान भी तेज कर दिए हैं। इससे पहले भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने रविवार को ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका के एक प्रतिबंधित क्षेत्र से फंसे यात्रियों को निकालने के लिए एक हाइब्रिड बचाव अभियान चलाया। आईएएफ ने एक्स पर कहा कि एक गरुड़ कमांडो को विंच से नीचे उतारा गया ताकि ग्रुप को कोटमाले के एक हेलीपैड तक ले जाया जा सके, जहां से 24 यात्रियों को कोलंबो पहुंचाया गया। सेना ने कहा, 'एक साथ की कोशिश में, तीन गंभीर घायलों को तुरंत मेडिकल मदद के लिए कोलंबो एयरलिफ्ट किया गया।

नक्शा विवाद के बीच नेपाल ने चीनी कंपनी को दिया नोट छपाई का ठेका, इतने करोड़ नोटों का करार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली नोट पर अंकित नक्शे को लेकर जारी विवाद के बीच काठमांडो ने विभिन्न मूल्यों के अपने नोटों की छपाई का ठेका चीनी कंपनी को दे दिया है। 100 रुपये के नेपाली नोट पर अंकित नक्शे में भारत के तीन क्षेत्रों को अपने हिस्से में दर्शाया गया है। नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने बताया कि एनआरबी ने चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन को 50, 500 व 1,000 के नेपाली रुपये के नोट छापने का ठेका दिया है। पौडेल ने कहा कि हाल में दिए गए ठेके के अनुसार चीनी प्रेस नौ महीने के भीतर नेपाली बैंक नोटों का डिजाइन, प्रिंट व आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। एनआरबी चीनी कंपनी को जानकारी उपलब्ध कराएगा जिसके आधार पर वह नोट को डिजाइन करेगा। डिजाइन को एनआरबी मंजूर करेगा जिसके बाद ही नोटों की छपाई होगी।

4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए हुआ करार : महीने की शुरुआत में इसी चीनी कंपनी के साथ 1,000 रुपये के 4.30 करोड़ नोटों की छपाई के लिए करार हुआ था। नेपाली रुपये के 1,000 के नोट पर दूसरी चीजों के साथ सात रोडोडेंड्रोन होंगे, जो नेपाल का राष्ट्रीय फूल है। नोट पर सात प्रांत दिखाए गए हैं। कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा को दिखाया अपना हिस्सा दरअसल, नेपाल के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को 100 रुपये का नया नोट जारी किया है, जिसमें देश का संशोधित नक्शा छपा है। इस नक्शे में भारतीय क्षेत्र कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है। भारत ने इसको लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नेपाल के नक्शे की निंदा की और कहा कि यह एकतरफा कृत्य है, जो जमीनी हकीकत नहीं बदलता। नक्शे को लेकर विवाद पिछले एक साल से चल रहा है और भारत ने नेपाल को आगाह किया था कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा कृत्रिम विस्तार स्वीकार्य नहीं होगा। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) की ओर से जारी नया नोट पूर्व गवर्नर महाप्रसाद अधिकारी के हस्ताक्षर वाला है। नोट पर छपाई वर्ष 2081 बीएस (साल 2024) दर्ज है। वर्ष 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार ने संसद से मंजूरी लेकर इन क्षेत्रों को शामिल करते हुए नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा उसके क्षेत्र हैं। साल 2020 में भारत ने नेपाल के संशोधित नक्शे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे एकतरफा और अस्वीकार्य कदम बताया था। नेपाल की भारत से 1,850 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है।

ट्रंप लंबे समय के लिए खत्म कर सकते हैं शरण देने की प्रणाली

वॉशिंगटन, एजेंसी। बीते दिनों अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास हुए हमले के बाद ट्रंप प्रशासन ने जांच नियमों और सुरक्षा प्रक्रियाओं को और सख्त करने का फैसला किया है। इसके तहत अब ट्रंप की प्रशासन ने अमेरिका में आव्रजन (इमिग्रेशन) नीतियों को और कड़ा करने की तैयारी कर रहा है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वे शरण देने की प्रक्रिया को लंबे समय के लिए रोकना चाहते हैं। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि कई ऐसे लोग देश में आ रहे हैं जिन्हें अमेरिका में नहीं होना चाहिए। ट्रंप ने हाल ही में व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी करने वाले अफगान नागरिक का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे लोग देश के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे लोगों को अमेरिका नहीं चाहते। इनमें से कई लोग ऐसे हैं जो अच्छे नहीं है। हमारे पास पहले से ही काफी समस्याएं हैं।

व्हाइट हाउस के पास हमला : बता दें कि यह कदम उस अफगान प्रवासी की गिरफ्तारी के बाद आया है जिस पर व्हाइट हाउस के पास एक नेशनल गार्ड सदस्य की हत्या का आरोप है। बुधवार को हुए हमले में स्पेशलिस्ट सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई, जबकि स्टाफ सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना के बाद ट्रंप प्रशासन ने जांच नियमों और सुरक्षा प्रक्रियाओं को और सख्त करने का फैसला किया है।

सोमालिया जैसे देशों पर साधा निशाना : ट्रंप ने सोमालिया जैसे देशों पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ये ऐसे देश हैं जहां न सरकार है, न सेना, न पुलिस। लोग

एक-दूसरे को मारते रहते हैं और फिर हमारे देश आकर बताते हैं कि हमें कैसे चलाना चाहिए। हमें इनकी जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि 19 से ज्यादा देशों पर कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं, क्योंकि वे अपराध से भरे हुए हैं। नेशनल गार्ड पर हमले का जिक्र इस दौरान ट्रंप ने व्हाइट हाउस के पास हुए हमले में घायल दो नेशनल गार्ड सैनिकों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एंड्रयू वोल्फ अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि दूसरी सैनिक सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हमले के आरोपी अफगान नागरिक रहमनुल्लाह लाकनवाल पर योजना बनाकर और जानबूझकर की गई हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पूर्व राष्ट्रपति बाइडन पर भी बोला बड़ा हमला इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्होंने बिना जांच-पड़ताल के लोगों को देश में आने दिया, जिससे आज यह स्थिति बनी। ट्रंप ने यह भी कहा कि होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने भी कहा कि बाइडन प्रशासन ने देश के खिलाफ आत्म-नुकसान करने जैसा काम किया। गौरतलब है कि लाकनवाल 2021 में ऑपरेशन एलाइज वेलकम के तहत अमेरिका आया था।

फ्लोरिडा में यूएस-यूक्रेन की मीटिंग, ट्रंप टीम जल्द मॉस्को जाकर पुतिन से करेगी वार्ता

तल्हासी, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिशें एक बार फिर तेज हो गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारी रविवार को फ्लोरिडा में यूक्रेनी अधिकारियों से मिले, जहां प्रस्तावित शांति फ्रेमवर्क के अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस बीच ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे अपने प्रतिनिधिमंडल को इस सप्ताह मॉस्को भेज रहे हैं, जहां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण वार्ता तय है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर ने यूक्रेनी शांति दल से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब यूक्रेन एक ओर रूसी सेना से जूझ रहा है और दूसरी ओर बड़े घरेलू भ्रष्टाचार विवाद से घिरा है।

शांति समझौते के लिए अभी और काम जरूरी: रूबियो : अमेरिका और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बैठक की। इस वार्ता का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए एक रास्ता तलाशना था। बैठक के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि बातचीत उपयोगी रही, लेकिन अभी शांति समझौते तक पहुंचने के लिए काफी काम बाकी है। रूबियो ने कहा मुद्दा सिर्फ लड़ाई खत्म करने का नहीं है, बल्कि ऐसा समाधान ढूंढना है जिससे यूक्रेन की संप्रभुता और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। आज हमने कुछ प्रगति की है, लेकिन यह प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। यूक्रेन की तरफ से सुरक्षा परिषद प्रमुख रुस्तेम उमेरोव ने हिस्सा लिया। उन्होंने अमेरिका के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा अमेरिका हमारी बात सुन रहा है, हमें समर्थन दे रहा है और हमारे साथ काम कर रहा है। उमेरोव ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि बातचीत में कितनी प्रगति हुई, लेकिन उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित और समृद्ध यूक्रेन है, और इस दिशा में

अमेरिका पूरी तरह सहयोग कर रहा है।

भ्रष्टाचार विवाद के बीच बदला यूक्रेन का वार्ताकार : कुछ दिन पहले राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अपने शक्तिशाली चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रिय येर्माक का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। ऊर्जा सेक्टर में 100 मिलियन डॉलर की गबन घोटाले की जांच के बाद यह बड़ा कदम उठाया गया। रूबियो की येर्माक से पिछली मुलाकात केवल एक हफ्ता पहले जिनेवा में हुई थी, जहां दोनों पक्षों ने शांति योजना के संशोधित ड्राफ्ट पर सहमति जताई थी।

ट्रंप-पुतिन वार्ता से पहले बढ़ी हलचल : ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता के लिए अपने दूत स्टीव विटकॉफ और संभवतः जेरेड कुश्नर को भेजेंगे। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति भवन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भी पुष्टि की है कि पुतिन गुरुवार से पहले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेंगे। ट्रंप की शांति योजना में कई विवादित बिंदु शामिल थे। जैसे यूक्रेन की सेना के आकार पर सीमा लगाने का प्रस्ताव, नाटो सदस्यता पर रोक, 100 दिनों के भीतर चुनाव करवाने की शर्त और शुरुआती प्रस्ताव में पूर्वी डोनबास क्षेत्र को रूस को सौंपने का सुझाव, जिसे अब संशोधित कर दिया गया है। हालांकि, ट्रंप इस पूरी योजना को अब केवल एक 'कॉन्सेप्ट' या 'ब्लूप्रिंट' बता रहे हैं, जिससे यह साफ है कि इसके अंतिम स्वरूप को लेकर अभी भी कई पहलू तय होना बाकी हैं।

युद्ध नहीं थमा, हमले जारी : यूक्रेन में शांति वार्ता की हलचल के बीच रूस ने कीव और उसके आसपास के क्षेत्रों में मिसाइल और ड्रोन हमलों की तीव्रता बढ़ा दी है। शनिवार को हुए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए। वहीं, रविवार तड़के वियशहोरोड में एक आवासीय इमारत पर ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 19 लोग घायल हुए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, रूस ने हाल के हमलों में 122 ड्रोन और कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमलों की संख्या बताते हुए कहा कि सिर्फ एक हफ्ते में रूस ने 1,400 ड्रोन और 66 मिसाइलें दागीं। हमें मजबूत वायु सुरक्षा और ऐसे वास्तविक समाधान चाहिए जो युद्ध को समाप्त करने में मदद कर सकें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com